अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 215 लखनऊ, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

देश के बाकी बचे राज्यों में भी एसआईआर की तैयारी शुरू करने के निर्देश

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने देश के बाकी बचे राज्यों में भी मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है। संभावना है कि बाकी बचे राज्यों में अप्रैल से यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। चुनाव आयोग ने इस संबंध में संबंधित राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को पत्र लिखा है। इन राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, लद्दाख, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना और उत्तराखंड शामिल हैं।

तमिलनाडु के 22 मछुआरों को श्रीलंका नौसेना ने किया गिरफ्तार

चेन्नई। श्रीलंका नौसेना ने एक ताजा घटनाक्रम में पाक जलडमरूमध्य के निकट गहरे समुद्र में मछली पकड़ रहे तमिलनाडु के 22 मछुआरों को गुरुवार तड़के गिरफ्तार किया। रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम के रहने वाले ये मछुआरे बुधवार रात समुद्र में गये थे। उन पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार कर श्रीलंका के प्रादेशिक जल में मछली पकड़ने का आरोप है। गिरफ्तारी कच्चाथीवू द्वीप के समीप की गयी और उनकी चार मशीनीकृत नौकाएं भी जब्त कर ली गयीं। गिरफ्तारी के बाद मछुआरों और नौकाओं को श्रीलंका के कंकेसनतुरै ले जाया गया, जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एआई को मानवता का वरदान बनाएंगे : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का किया उद्घाटन

- अश्विनी वैष्णव ने की नई दिल्ली फ्रंटियर एआई इम्पैक्ट प्रतिबद्धताओं की घोषणा
- फ्रांस के राष्ट्रपति ने की भारत के तकनीकी समावेशन की प्रशंसा और कहा एआई के युग में एकजुटता जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य पारदर्शिता, जवाबदेही और मानव-हित पर आधारित होना चाहिए। एआई कुछ देशों या कंपनियों का साधन नहीं बने, बल्कि यह सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का माध्यम बने। प्रधानमंत्री ने एआई के लिए मानव विजन पेश करते हुए कहा कि अवसरों के साथ जोखिम भी हैं, इसलिए इसे मानव-केंद्रित और जिम्मेदार तरीके से विकसित करना जरूरी है।

इस मौके पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, वैश्विक तकनीकी कंपनियों के प्रमुख और उद्योग जगत के दिग्गज मौजूद रहे। सम्मेलन के दौरान 'नई दिल्ली फ्रंटियर एआई इम्पैक्ट प्रतिबद्धताओं' की घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य एआई को समावेशी, बहुभाषी और वैश्विक विकास का साधन बनाना है।

प्रधानमंत्री ने डीप फ़ेक जैसी चुनौतियों का जिक्र किया और कहा कि जैसे खाने की चीजों पर लेबल लगता है कि उसमें क्या है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी लेबलिंग जरूरी है ताकि लोग सच-झूठ पहचान सकें। इसकी स्पीड और स्केल इतनी बड़ी है कि इसके अच्छे और बुरे दोनों प्रभाव हो सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतनी होगी। एआई को खुली छूट मिलनी चाहिए, लेकिन कमान हमारे हाथ में होनी चाहिए । विकासशील देशों के लिए एआई को लोकतांत्रिक बनाना जरूरी है। मनुष्यों को सिर्फ डेटा का स्रोत नहीं बनने देना चाहिए, बल्कि एआई को सशक्तिकरण का माध्यम बनाना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में दो तरह के लोग हैं। कुछ एआई से डरते हैं, कुछ इसमें भाग्य देखते हैं। भारत गर्व से कहता है कि हमें एआई में भय नहीं, भाग्य और भविष्य दिखता है। भारत सेमीकंडक्टर चिप मैन्युफैक्चरिंग, क्वांटम कंप्यूटिंग तक मजबूत इकोसिस्टम बना रहा है। सुरक्षित डेटा सेंटर, मजबूत आईटी ढांचा और डायनामिक स्टार्टअप कल्चर भारत को किफायती, स्केलेबल और सुरक्षित एआई का हब बना सकता है। भारत की विविधता, युवा आबादी और लोकतंत्र इसे खास बनाते हैं। यहां सफल एआई मॉडल पूरी दुनिया में काम कर सकता है।

डेटा स्वायत्त, नियम पारदर्शी और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो एआई : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई एम्पैक्ट शिखरवार्ता में गुरुवार को वैश्विक नेताओं के समक्ष एआई के नैतिक उपयोग को लकेर तीन सुझाव दिए। इसमें डेटा स्वायत्तता, पारदर्शी नियम और मानवीय मूल्य शामिल रहे। विश्व नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन के दौरान पूर्ण सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने शुरुआती वक्तव्य में विश्वास जताया कि यह सम्मेलन वैश्विक एआई इकोसिस्टम के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर इस 'डिसरप्शन' को मानवता के सबसे बड़े अवसर के रूप में बदल देना है। नैतिक उपयोग के समुझों पर उन्होंने कहा कि डाटा के मालिकाना हक को सम्मान मिलना चाहिए। एआई ट्रेनिंग के लिए एक डाटा फ्रेमवर्क बनाना चाहिए। डाटा सुरक्षित संतुलित विश्वसनीय होना चाहिए। इसलिए ग्लोबल ट्रस्टेड डाटा फ्रेमवर्क जरूरी है। उन्होंने कहा कि एआई प्लेटफार्म अपने सेफ्टी रूल्स बहुत क्लियर और ट्रांसपेरेंट रखें। हमें ब्लैक बॉक्स के बदले ग्लास बॉक्स अप्रोच चाहिए। जहां सेफ्टी रूल्स देखें और वेरीफाई किए जा सके तब अकाउंटेबिलिटी भी क्लियर होगी और बिजनेस में एथिकल बिहेवियर को भी बूस्ट मिलेगा।

पीएम मोदी के 'मानव-केंद्रित एआई' विजन पर आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश : योगी

- प्रधानमंत्री के आह्वान से प्रेरित होकर यूपी में उठाए गए एआई सिटी, एआई-समर्थित विश्वविद्यालय और 'एआई प्रज्ञा' जैसे बड़े कदम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव-केंद्रित, जिम्मेदार और पारदर्शी एआई विजन को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश इस दृष्टि को धरातल पर उतारने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का ल्ल्ख्र.इ.ग.इ.ठ्ठ.ङ्क की भावना पर आधारित एआई का विचार न केवल तकनीकी प्रगति, बल्कि नैतिक, समावेशी और जवाबदेह नवाचार का मार्ग प्रशस्त करता है।

मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि इसी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश में देश की पहली एआई सिटी लखनऊ में विकसित की जा रही है, जो विश्वस्तरीय नवाचार और प्रौद्योगिकी अनुसंधान का केंद्र बनेगी। साथ ही उन्नाव में देश के पहले एआई-समर्थित बहुविषयक विश्वविद्यालय का शुभारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार मानव संसाधन विकसित करना है। उन्होंने बताया कि 'एआई प्रज्ञा' पहल के माध्यम से दस लाख से अधिक युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकी कौशल से लैस किया जा रहा है, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप सक्षम बन सकें।

राज्यों को रोजगार के अवसर खोलने चाहिए

- फ्रीबीज पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लोगों को मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। 'तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड' ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया है।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर राज्य गरीबों की मदद करते हैं तो यह बात पूरी तरह से समझ में आती है। देश के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अधिकतर राज्यों का राजस्व घाटे में हैं लेकिन वे विकास की अनदेखी करते हुए इस तरह की मुफ्त सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

न्यायालय ने कहा कि इस तरह की मुफ्त सुविधाएं देने से देश के आर्थिक विकास में बाधा पैदा होती है और राज्यों को सभी को मुफ्त भोजन, साइकिल और बिजली देने के बजाय रोजगार के अवसर खोलने के लिए काम करना चाहिए। हालांकि, न्यायालय ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया।

बिजली वितरण कंपनी ने विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी है। पीठ ने कहा, ''भारत में हम कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी कदमों के तहत आप उन लोगों को (निःशुल्क) सुविधाएं उपलब्ध कराना चाहते हैं, जो बिजली शुल्क चुकाने में असमर्थ हैं।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''लेकिन जो वहन कर सकते हैं और जो नहीं कर सकते, उनमें भेद किए बिना आप वितरण शुरू कर देते हैं।

कुछ तो चल रहा है यूपी भाजपा में!

शंकराचार्य विवाद पर मुख्यमंत्री योगी और दोनों डिप्टी सीएम का अलग-अलग स्टैंड

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

- ब्रजेश पाठक के बयान की टाइमिंग भी चिंता जनक, संघ प्रमुख की लखनऊ यात्रा के दौरान सीएम से अलग विचार भी काबिले गौर
- मोहन भागवत से योगी आदित्यनाथ और दोनों डिप्टी मुख्यमंत्रियों की अलग-अलग मुलाकातें भी सियासी चर्चाओं का बनी हुई हैं कारण

लखनऊ। यूपी बीजेपी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। शंकराचार्य विवाद को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या व बृजेश पाठक के विरोधी बयानों ने इस नई आशंका को जन्म दिया है। इसके अलावा संघ प्रमुख मोहन भागवत की हालिया लखनऊ यात्रा के दौरान डिप्टी सीएम बृजेश पाठक द्वारा योगी की लाइन से हटकर बटुकों का सम्मान और शंकराचार्य तथा बटुकों की कथित पिटाई की निंदा भी नए सियासी समीकरणों का संकेत बताया जाता है। साथ ही दोनों डिप्टी सीएम और मुख्यमंत्री योगी से संघ प्रमुख की अलग-अलग मुलाकातें भी कुछ चर्चाओं को बल दे रही हैं।

पिछले दिनों प्रयागराज के संगम मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के कथित अपमान का मामला अब गरमाता जा रहा है। अब योगी आदित्यनाथ और शंकराचार्य ने इसे अपने स्वाभिमान से जोड़ रखा है। दोनों ही अपने-अपने स्टैंड पर कायम हैं। तल्खी यहां तक बढ़ गई है कि शंकराचार्य ने सीएम से योगी होने का सबूत मांग लिया है। सीएम योगी ने भी विधानसभा में बोलते हुए कह दिया है कि हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं हो सकता। इसके पहले माघ मेले में ही मेला प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से उनके शंकराचार्य होने का प्रमाण मांग लिया था। यानी योगी का स्टैंड तो क्लियर है। ऐसे में दोनों डिप्टी सीएम का इस मामले में योगी विरोधी स्टैंड काबिले गौर है। वैसे योगी के बयान के बाद शंकराचार्य भी नहीं रुके, उन्होंने भी पलटवार करते हुए कहा कि भगवा पहन लेने से कोई योगी नहीं हो जाता। तल्खी अब बहुत ही बढ़ गई है। इस कदर कि शंकराचार्य ने तो मार्च महीने में 10-12 तारीख के बीच संत सम्मेलन बुलाकर योगी के हिंदू बने रहने या न होने के बारे में फैसला लेने का भी ऐलान कर दिया है। उन्होंने योगी के हिंदू बने रहने के लिए बाकायदा एक शर्त रख दी है। और वह शर्त यह है कि योगी यूपी में गौ हत्या और गोमांस का व्यापार रोक कर साबित करें कि वे सच्चे हिंदू हैं। और अगर वे ऐसा नहीं कर पाए तो उन्हें संतों की सभा में कालनेमि घोषित कर दिया जाएगा। इस विवाद की शुरुआत में जब शंकराचार्य और उनके शिष्यों का कथित अपमान हुआ तो रुष्ट शंकराचार्य ने अपने शिविर के सामने ही धरना दे दिया और माफी की मांग कर दी। उस दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने योगी की लाइन के खिलाफ एक बयान दिया। उन्होंने कहा था कि मैं शंकराचार्य भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वे अपना धरना छोड़ें और स्नान कर विवाद का अंत करें, दोषियों को जांच के बाद दंडित भी किया जाएगा। उन्होंने ये भी कहा था कि मैं शंकराचार्य जी से मिलने भी जाऊंगा। हालांकि बाद में पता चला कि केशव मौर्य को 'ऊपर' से मना कर दिया गया था जिसके चलते वे नहीं गए। इस पर शंकराचार्य ने चुटकी ली थी और कहा था कि एक डिप्टी सीएम ठीक-ठाक था, मुख्यमंत्री बनने लायक था, लेकिन उसको भी लोगों ने रोक दिया।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बाद अब दूसरे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भी बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने बृहस्पतिवार 19 फरवरी को लखनऊ में अपने आवास पर बटुकों का सम्मान किया और कहा कि माघ मेला में बटुकों का पिटाई और उनकी शिखा खींचना महापाप है, और इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। इसे कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता। अब बृजेश पाठक के बयान के बाद सियासी हल्कों में तूफान मचा हुआ है। लोग इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठा रहे हैं, क्योंकि इस समय संघ प्रमुख मोहन भागवत राजधानी लखनऊ में हैं। ऐसे मौके पर बृजेश पाठक का यह बयान इस बात का संकेत माना जा रहा है कि वे भी योगी के खिलाफ लाइन लेते जा रहे हैं। चर्चा तो यह भी है कि शायद वे कोई और रास्ता तलाश रहे हैं। वैसे कुछ जानकार इसे हाई कमान का इशारा बता रहे हैं। क्योंकि बिना किसी शह के दोनों डिप्टी सीएम अपने सीएम के खिलाफ आवाज बुलंद नहीं कर सकते। अब राजनीतिक विश्लेषक भी इसमें कुछ नये एंगल की तलाश में हैं। उनको आशंका है कि यह योगी आदित्यनाथ को डैमेज करने की एक चाल है। इसी कारण संघ प्रमुख मोहन भागवत के सामने यह मैसेज पहुंचाने की कोशिश है कि प्रदेश का मंत्रिपरिषद योगी के काम से संतुष्ट नहीं है। इसके अलावा राजनीतिक विश्लेषण इस बात की भी चर्चा कर रहे हैं कि मोहन भागवत से योगी और दोनों डिप्टी सीएम अलग-अलग क्यों मिले। उल्लेखनीय है कि बीते बुधवार 18 फरवरी को मुख्यमंत्री ने संघ प्रमुख से अकेले में लगभग 45 मिनट वार्ता की थी। और उसके बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भी मुलाकात की थी। अब इन अलग-अलग मुलाकातों को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। हालांकि भाजपा का कोई जिम्मेदार इस बारे में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं। ऐसे में लगता यही है कि कहीं न कहीं कोई खिचड़ी पक रही है, जो आने वाले समय में एक बड़े निर्णय के रूप में आ सकती है।

कुछ जानकार इसे यूजीसी विवाद से हुए डैमेज को कंट्रोल करने की कवायद के रूप में भी देख रहे हैं। उनका कहना है कि यूजीसी विवाद से सवर्ण बहुत नाराज हैं, और अब भाजपा पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। ऐसे में कोशिश यही है कि किसी भी तरह लोगों का माइंड डाइवर्ट किया जाए और उनको हिंदुत्व की ओर धकेला जाए। संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयानों में भी सिर्फ हिंदुत्व का ही जोर दिखा। ऐसे में आने वाले समय में क्या होगा ये तो भाजपा जाने परंतु इस बात के संकेत तो मिल ही रहे हैं कि यूपी बीजेपी और यूपी सरकार में सब कुछ सामान्य नहीं है।

वैश्विक समुदाय समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए आपस में हाथ मिलाए : राजनाथ

- रक्षा मंत्री ने विशाखापत्तनम में किया बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'मिलन' का औपचारिक उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। विशाखापत्तनम के पूर्वी तट पर चल रहे बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'मिलन' में 74 देशों की नौसेनाएं हिस्सा ले रही हैं, ताकि समुद्री जुड़ाव, सामूहिक सुरक्षा और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। अभ्यास का औपचारिक उद्घाटन करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यूएन कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ सीज के कानूनी ढांचे को एक बड़े ग्लोबल नेवल आर्किटेक्चर के जरिए और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय नियमों और नेविगेशन की आजादी पर आधारित समुद्री व्यवस्था बनाना चाहता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत एक भरोसेमंद विश्व-मित्र है, इस क्षेत्र में एक कंस्ट्रक्टिव और भरोसेमंद भूमिका निभाता रहेगा।

आतंकी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स का फरार आतंकी गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स (के.सी.एफ.) के एक वांछित और लंबे समय से फरार आतंकी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सुखविंदर सिंह ढिल्लों उर्फ दयाल सिंह उर्फ राकेश शर्मा उर्फ छिंदा (63 वर्ष) पुत्र बंता सिंह, निवासी कपूरथला, पंजाब के रूप में हुई है। एटीएस की नोएडा यूनिट को सूचना प्राप्त हो रही थी कि सुखविंदर सिंह ढिल्लों, जो के.सी.एफ. का सक्रिय सदस्य रहा है, वर्षों से फरार चल रहा है।

नाम, लोगो का दुरुपयोग करने वाले एनजीओ पर सख्ती, मानवाधिकार आयोग का राज्यों को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उन गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के खिलाफ स्वतः संज्ञान लिया है जो आयोग के नाम, लोगो और पदनामों का दुरुपयोग करके जनता को भ्रमित कर रहे हैं। इस मामले को लेकर आयोग ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सख्त कार्रवाई तथा दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

आयोग ने गुरुवार को बताया कि कई एनजीओ खुद को राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद जैसे नामों से पंजीकृत करवा रहे हैं, जो सुनने में आधिकारिक वैधानिक निकाय जैसा लगता है। आयोग ने स्पष्ट किया कि ये संगठन अध्यक्ष जैसे पदनामों का उपयोग कर जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। इन भ्रामक नामों के कारण लोग इन्हें आयोग का हिस्सा या उससे मान्यता प्राप्त समझ लेते हैं। इससे न केवल जनता का विश्वास कम हो रहा है बल्कि धन के गबन और जनादेश के दुरुपयोग की भी आशंका है।

नेचुरल फॉर्मिंग हब बन रहा यूपी : योगी सरकार 298 करोड़ रुपये से करेगी विस्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। सक्रिय रणनीति बनाकर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 94,300 हेक्टेयर क्षेत्रफल तक प्राकृतिक खेती का विस्तार किया गया है। यह जल्द ही एक लाख हेक्टेयर तक पहुंचने वाला है।

इस व्यापक अभियान में बुंदेलखंड पर फोकस रखा गया है, जहां विशेष कार्यक्रम के जरिए इसे सफल मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। योगी सरकार रासायनिक निर्भरता कम कर टिकाऊ कृषि व्यवस्था स्थापित करने के लिए नेचुरल फार्मिंग पर विशेष जोर दे रही है। योगी सरकार ने बुंदेलखंड के सभी जनपदों झांसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूट में 23,500 हेक्टेयर क्षेत्र पर गो-आधारित प्राकृतिक खेती का विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। इस क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर योगी सरकार कृषि को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। जीवामृत और घनजीवामृत के प्रयोग से रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी। इससे खेती की लागत कम होगी और किसानों की आय बढ़ाने का रास्ता मजबूत होगा। योगी सरकार का फोकस 'कम लागत, ज्यादा लाभ' वाले कृषि मॉडल पर है। गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की संरचना सुधरती है और जलधारण क्षमता बढ़ती है। बुंदेलखंड के साथ ही कम वर्षा वाले क्षेत्रों में यह पहल खेती को अधिक टिकाऊ बनाएगी। यह कदम क्षेत्रीय कृषि अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है। उन्होंने बताया कि योगी सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है। इससे प्राकृतिक कृषि प्रणाली को मुख्यधारा में लाने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल रही है। प्राकृतिक उत्पादों की ब्रांडिंग और पर्यावरण-अनुकूल कृषि प्रणाली के प्रसार से किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि योगी सरकार की दूरदर्शी नीति के चलते उत्तर प्रदेश प्राकृतिक खेती की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें बुंदेलखंड परिवर्तन का अग्रदूत बनकर उभर रहा है।

संघ प्रमुख भागवत से मिले यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने गुरूवार को अलग–अलग समय पर यहां निरालानगर में स्थित सरस्वती कुंज पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ?सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत से शिष्टाचार भेंट की। सरसंघचालक ने यहां संघ के प्रचारकों के साथ बैठक भी की। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बुधवार को सरसंघचालक डॉ. भागवत से भेंट की थी। दरअसल, सरसंघचालक लखनऊ में तीन दिन से प्रवास पर हैं और आज उनके प्रवास का तीसरा व अंतिम दिन है। सरसंघचालक 17 फरवरी को निरालानगर के माधव सभागार में आयोजित कुटुम्ब मिलन के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसके बाद 18 फरवरी को उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में सरसंघचालक ने शोधार्थियों के साथ संवाद किया। वहीं 18 फरवरी की शाम को गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी को डॉ. भागवत ने संबोधित किया था।

उप्र के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने सरकारी आवास पर 101 बटुकों का किया सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर 101 बटुकों का सम्मान किया। उपमुख्यमंत्री ने अपनी पत्नी नम्रता पाठक के साथ मिलकर आवास पर आए 101 बटुकों के माथे पर तिलक लगाया और पुष्प वर्षा कर उन्हें सम्मानित किया। बटुकों से उन्होंने आशीर्वाद भी प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एक समाचार चैनल से बात करते हुए प्रयागराज घटना पर सिखा खींचने को पाप बताया था। उसके बाद आज उन्होंने बटुकों का सम्मान किया है।

उप्र के सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को तम्बाकू मुक्त कराएं घोषित : एस.पी.गोयल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय समन्वय समिति की हुई बैठक

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध एवं व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 (एण्ड्ब्ध्-2003) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु गठित राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में तम्बाकू के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जाए। प्राथमिक विद्यालय स्तर पर भी तम्बाकू से सम्बंधित जागरूकता विषय को पाठ्यक्रम अथवा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सम्मिलित किया जाए, ताकि बच्चों में प्रारम्भिक स्तर से ही तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति सजगता विकसित हो सके। उन्होंने सभी सरकारी कार्यालयों को तम्बाकू मुक्त घोषित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही, शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता प्रदान करते समय ल्लतम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थानङ्क दिशा निर्देशों का अनुपालन अनिवार्य किए जाने पर बल दिया। युवाओं में तम्बाकू उपयोग की प्रवृत्ति को रोकने के उद्देश्य से तम्बाकू उत्पादों से जुड़े ग्लैमर को समाप्त करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान शैक्षणिक संस्थानों में चलाए जाने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि सभी चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रत्येक उपलब्ध अवसर पर तम्बाकू सेवन न करने सम्बंधी संक्षिप्त सलाह अवश्य दें तथा स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता वृद्धि के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों में तम्बाकू निषेध केंद्र की स्थापना भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त, तम्बाकू विक्रेता लाइसेंसिंग (टीवीएल) व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने तथा तम्बाकू विक्रेताओं की दो दुकानों के मध्य न्यूनतम 500 मीटर की दूरी निर्धारित किए जाने के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा अमित कुमार घोष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त रौशन जैकब सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रमजान के पाक महीने के लिए रोजेदरों, जरूरतमंदों को राहत

लखनऊ। पीस एजुकेशन चार्टर्ड ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक और सलाहकार जनाब खालिद इस्लाम साहब के सहयोग से रमजान के पाक महीने में रोजेदारों और जरूरतमंदों को रमजान किट का वितरण किया गया। जरूरतमंद लोगों ने आकर किट प्राप्त की, जिससे उन्हें रमजान के महीने में राहत मिली।इस अवसर पर ट्रस्ट ने खालिद इस्लाम साहब को उनके इस नेक काम के लिए बहुत-बहुत मुबारकबाद दी गई। ट्रस्ट के इस प्रयास से जरूरतमंदों को मदद मिली और उन्हें रमजान के महीने में सहारा मिला।इस वितरण कार्यक्रम में जरूरतमंदों को रमजान किट प्रदान की गई, जिसमें आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। इस मौके पर ट्रस्ट के सदर मुर्तजा अली, अमीर किदवई, तंजीम अप्सर जाफरी साहब,ओसामा रावत साहब, हलीमा अजीम, नईम, महफूज अहमद साहब, अहमद अंसारी साहब, बाकी सारे लोगों का जोड़ दीजिए और कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधान परिषद में मंत्री जयवीर सिंह का विपक्ष पर तंज, पढ़ लेते तो सवाल न करते

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद में वाराणसी की गंगा नदी पर संचालित सरकारी और निजी क्रूजों को लेकर उठे सवालों का विस्तार से जवाब देते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और तथ्यों की अनदेखी कर प्रश्न उठाना उचित नहीं है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने वाराणसी में गंगा नदी पर चल रहे सरकारी व प्राइवेट क्रूजों की संख्या, उनके संचालन के मानक तथा संबंधित विवरण सदन की मेज पर रखने की मांग की थी। मंत्री ने न केवल विस्तृत उत्तर दिया, बल्कि विपक्ष पर पर्याप्त जानकारी के अभाव में सवाल खड़े करने का आरोप भी लगाया। सदस्य ने पूछा कि जनपद वाराणसी में कितने सरकारी और निजी क्रूज संचालित हो रहे हैं, उनके संचालन के मानक क्या हैं और क्या इसका विवरण सदन के पटल पर रखा जाएगा? इसके जवाब में मंत्री ने स्पष्ट किया कि वाराणसी में 05 सरकारी और 02 निजी क्रूज संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इनके संचालन के मानक भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण तथा उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किए गए हैं, जिनका पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यक विवरण उपलब्ध है और जानकारी साझा करने में कोई आपत्ति नहीं है। चर्चा के दौरान आशुतोष सिन्हा ने उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थिति पर अतिरिक्त जानकारी मांगी। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 6 दिसंबर 2023 को अधिसूचना जारी कर उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का विधेयक पारित किया गया, जिसमें परिवहन विभाग को नोडल बनाया गया। इसके बाद 6 दिसंबर 2024 से अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गई। मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि इस संबंध में अखबारों और न्यूज चैनलों में व्यापक जानकारी दी जा चुकी है, ल्लअगर आशुतोष जी थोड़ा पढ़ लेते तो यह सवाल न करते।ङ्क उनके इस बयान से सदन में राजनीतिक तापमान बढ़ गया। मंत्री ने विपक्ष को घेरते हुए पर्यटन के आंकड़े भी पेश किए। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले पिछली सरकार के कार्यकाल में वाराणसी में 5 लाख 44 हजार 355 भारतीय और 3 लाख 34 हजार 860 विदेशी पर्यटक आए थे, जबकि वर्तमान समय में यह संख्या बढ़कर 17 करोड़ 27 लाख 52 हजार 631 से अधिक हो चुकी है। उन्होंने इस वृद्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को दिया। मंत्री ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में न सिर्फ वाराणसी बल्कि पूरे प्रदेश के आध्यात्मिक और धार्मिक नगर पर्यटन के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

ऊर्ज़ा मंत्री का विपक्ष पर तीखा प्रहार, कहा, सपा सरकारों ने यूपी को बना रखा था बीमारू राज्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही के दौरान गुरुवार को ऊर्ज़ा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सपा सरकारों ने प्रदेश को बीमारू बनाकर रखा था। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार के प्रयासों से प्रदेश में प्रति व्यक्ति बिजली खपत 724 यूनिट तक पहुंच गई है, जो अब तक का उच्च स्तर है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब लगातार छह वर्षों तक बिजली दरों में एक भी पैसा वृद्धि नहीं की गई। ऊर्ज़ा मंत्री ने कहा कि यह पहली बार है जब गरीब उपभोक्ताओं को बकाया बिल जमा करने पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी गई। साथ ही किसानों के बिजली बिल भी माफ किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के सभी निर्णय जनता, विशेषकर पिछड़े वर्गों और पिछड़े क्षेत्रों के विद्युतीकरण को ध्यान में रखकर लिए जा रहे हैं।

विपक्ष की आवाज दबाने के लिए दमनकारी नीतियां अपना रही भाजपा सरकारः अजय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने गुरुवार को कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध करना प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है,किंतु प्रदेश की भाजपा सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए लगातार दमनकारी नीतियां अपना रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर सरकार ने अपनी तानाशाही प्रवृत्ति का परिचय दिया है,जिसे कांग्रेस का कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेगा।

गौरतलब है कि 17 फरवरी को मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस पार्टी विधानसभा का घेराव करने पहुंचीं थी, तभी प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसजनों पर पुलिस प्रशासन ने लाठीचार्ज किए,जिसमें कांग्रेस के शीर्ष नेताओं समेत कई कार्यकर्ता चोटिल हो गए थे। इसके विरोध में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में कांग्रेसजनों ने आज कांग्रेस मुख्यालय,लखनऊ स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर सत्याग्रह कर प्रदेश की योगी सरकार के बर्बरता के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। इस कार्यक्रम में राज्यसभा में उपनेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी, उ0प्र0 कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना', विधायक वीरन्द्र चौधरी,रूद्र दमन सिंह बबलू,अमित श्रीवास्तव त्यागी शामिल रहे। इस मौके पर श्री राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। आज का यह सत्याग्रह उसी लोकतांत्रिक परंपरा का प्रतीक है। यदि सरकार ने अपनी दमनकारी कार्रवाई बंद नहीं की,तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशभर में व्यापक जनआंदोलन छेड़ने को बाध्य होगी। अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार ना सिर्फ किसान मजदूर विरोधी है बल्कि इस देश की मूल लोकतांत्रिक भावना के विरोध में है। अभी सरकार सिर्फ दुर्भावना से ग्रसित होकर मदरसों की जांच करा रही है जो इनकी तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा है।

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा में उपभोक्ताओं को मिल रहा समस्याओं का समाधान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। स्मार्ट मीटर को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के अंतर्गत मध्यांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा 9 फरवरी से 23 फरवरी तक ल्लस्मार्ट मीटर पखवाड़ाङ्क मनाया जा रहा है। इस विशेष अभियान के तहत उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के प्रति जागरूक करने के लिए कई व्यापक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। सेंट्रल लखनऊ ज़ोन के मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल ने बुधवार को बताया कि पखवाड़े के दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के फायदे विस्तार से समझाए जा रहे हैं एवं उनकी सभी शंकाओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है। स्मार्ट मीटर से मिलने वाली सुविधाओं जैसे आसान भुगतान प्रणाली, रियल टाइम खपत की जानकारी, बिजली उपयोग पर बेहतर नियंत्रण, सटीक एवं पारदर्शी बिलिंग और त्वरित सेवा के बारे में जानकारी दी जा रही है। सेंट्रल ज़ोन में एक फरवरी से 18 फरवरी तक 26 हजार 743 उपभोक्ताओं ने यूपीपीसीएल स्मार्ट एप से रिचार्ज करवाया है। पखवाड़ा में उपभोक्ताओं को उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप की डाउनलोडिंग कराकर लाइव डेमो भी दिया जा रहा है, ताकि उपभोक्ता आसानी से ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकें।

केशव प्रसाद मौर्य ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर किया माल्यार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय कालिदास मार्ग पर छत्रपति शिवाजी महाराज व माधव सदाशिव राव गोलवलकर की जयंती पर गुरुवार को उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन दर्शन और उनके जीवन की संघर्ष यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह पराक्रमी योद्धा व कुशल प्रशासक थे। उन्होंने कहा कि अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज का त्याग और समर्पण से देशवासियों को हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी। केशव प्रसाद मौर्य ने माधव सदाशिव राव गोलवलकर की जयंती पर उनके जीवन दर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन निर्माण एवं सांस्कृतिक पुनर्ज़ागरण के लिए समर्पित रहा, जो हम सभी के लिए आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है।

स्व.रामप्यारे त्रिवेदी जी जीवन–चरित्र और व्यक्तित्व के ऊपर प्रकाशित हो रहे ''सम्मानिका स्मृति ग्रन्थ'' के आवरण पृष्ठ का लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। गाँधी भवन,लखनऊ के संग्रहालय कक्ष में आयोजित 95वें जयन्ती दिवस 18 फरवरी पर पंडित रामप्यारे त्रिवेदी जी के जीवन चरित्र पर आधारित गोष्ठी-''मानवोदय से सर्वोदय तक'' के आलोक में उपस्थित समस्त स्वजनों ने स्व.त्रिवेदी जी के चित्र पर माल्यार्पण किया..पुष्पांजलि अर्पित करी। स्व.रामप्यारे त्रिवेदी जी जीवन-चरित्र और व्यक्तित्व के ऊपर प्रकाशित हो रहे ''सम्मानिका स्मृति ग्रन्थ'' के आवरण पृष्ठ का लोकार्पण उपस्थित मंच द्वारा किया गया।

विषय प्रवेश के आरम्भिक सम्बोधन में ज्ञानी त्रिवेदी जी के द्वारा स्व. रामप्यारे त्रिवेदी जी के जीवन पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा संस्थान(ट्रस्ट) के उद्देश्यों पर विचार व्यक्त करते हुए ''वर्ष 2026-27'' में श्री त्रिवेदी जी के 95वें जयन्ती पर वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करी। स्व.रामप्यारे त्रिवेदी जी के सादगीपूर्ण एवं सात्विक जीवन पर प्रकाश डालते हुए रामसुन्दर वर्मा तथा रमेश यादव ने अपने भावपूर्ण संस्मरण प्रस्तुत किये। डा.मोहम्मद कामरान साहब ने विशिष्ठ अतिथि के रूप ''मानवोदय से सर्वोदय'' के विचार को परिभाषित करते हुए कहा की समाज में परिवर्तन के प्रति जागरूक व्यक्तियों को अपनी ऊर्ज़ा का उत्सर्जन रचनात्मक कार्यों के प्रोत्साहन के रूप में किया जाना चाहिए। श्री कामरान साहब ने प्रकाशित हो रहे ''स्मृति ग्रन्थ'' की एक प्रति को आरक्षित करने हेतु पुस्तक के मूल्य रु.499/- का भुगतान कर एक अनुकरणीय आरम्भ किया जिसका कुछ स्वजनों द्वारा अनुकरण भी हुआ। मुख्य अतिथि सुशील दुबे-वरिष्ठ पत्रकार ने अपने सारगर्भित सम्बोधन में त्रिवेदी और अपने ताऊ स्व.अधीर दूबे पूर्व एम.एल.सी जी के साथ 1950 के दशक की मित्रता का वर्णन किया जब ''नया भारत'' अखबार का प्रकाशन होता था,जिससे दोनों महानुभाव जुड़े थे। स्व.भगवती सिंह जी का स्मरण करते हुए बताया कि क्या मित्रता का दौर था। तीर्थराज मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री त्रिवेदी जी की छवि सदैव एक निस्वार्थ समाज सेवक के रूप में जानी जाती है,जिन्हों ने अपने सुख दुख की परवाह किये बिना अपने मानव सेवा के धर्म को प्राथमिकता दी और स्वजनों की जरूरत पर हर स्तर पर उन्हें सम्बल और सहयोग प्रदान किया ऐसे व्यक्तित्व का प्रतिनिधित्व करते थे श्री त्रिवेदी जी। वरिष्ठ पत्रकार-रिपब्लिक इन्डिया न्यूज़ नेटवर्क आनन्द वर्धन सिंह ने स्व.रामप्यारे से अपने पिता स्व.वाई.पी.सिंह जी के घनिष्ठ संबंधों पर विचार व्यक्त करते हुए श्री त्रिवेदी की ईमानदारी और खुद्दारी पर आधारित व्यक्तित्व की चर्चा करी। कार्यक्रम में शैलेन्द्र शुक्ला वरिष्ठ अधिवक्ता जी ने त्रिवेदी जी से अपने सम्बन्धों का जिक्र करते हुए गाँधी भवन,लखनऊ में आयोजित होने वाली लगभग सभी गतिविधियों में स्व.रामप्यारे जी कर्मठ सहभागिता की चित्रण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करी। आईना के प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह जी ने स्व.त्रिवेदी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धांजलि सम्बोधन में भावपूर्ण श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उमाशंकर पाण्डेय-पत्रकार, अखिलेश श्रीवास्तव , गंगा प्रसाद दीक्षित-वरिष्ठ पत्रकार, निर्मल केसरवानी ने भी अपने उद्गार व्यक्त कर अपनी भावांजलि अर्पित करी। सभा में उपस्थित प्रबुद्ध जनों की सहर्ष स्वीकृति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि भारत रत्न श्रद्धेय गुलजारीलाल नन्दा जी के सम्मान में लखनऊ नगर में उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा उनकी मूर्ति लगाने,पार्क का नाम श्री नन्दा जी पर रखने तथा सरकारी योजनाओं का नामकरण भी किया जाये ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए। इस अवसर पर गुरमीत कौर, सुधा, शरद अग्रवाल, दीपक अवस्थी, मोहन कुमार, कुलदीप तथा अजय तिवारी सहित शहर के प्रबुद्ध जनों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर राजश्री अग्रवाल ने अपने मौसा स्व.त्रिवेदी के 95वीं जयन्ती दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि मूलक कार्यक्रम में आये सभी सम्मानित स्वजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन तथा मंच संचालन ज्ञानी त्रिवेदी-''सचिव-गुलजारीलाल नन्दा स्मृति संस्थान'' के द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन ''रामप्यारे त्रिवेदी मेमोरियल ट्रस्ट,लखनऊ -उ.प्र'' एवं ''गुलजारीलाल नन्दा स्मृति संस्थान,लखनऊ'' द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ साण्डी इकाई ने शिक्षकों की समस्याओं को लेकर बीईओ को दिया ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ब्लॉक इकाई साण्डी द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ० सुनील कुमार सिंह को शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा गया। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से कई महत्वपूर्ण मामलों का निस्तारण नहीं हो सका है।

ज्ञापन के माध्यम से 72,825 बैच के शिक्षकों का चयनित वेतनमान लागू करने, साण्डी ब्लॉक के डी०ए० अवशेष की लंबित धनराशि के भुगतान व वर्ष 2025-26 के एफ०एल०एन० प्रशिक्षण की आनुषंगिक धनराशि का भुगतान करने हेतु मांग की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने मांग की है कि उपरोक्त समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाए, जिससे शिक्षकों को राहत मिल सके। इस अवसर पर संरक्षक अजीत शुक्ल, अध्यक्ष सर्वदमन सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शेरपाल, महामंत्री दुर्गेश तिवारी, कोषाध्यक्ष प्रभाकर मिश्र, संयुक्त मंत्री नीलम देवी, अनुराग तिवारी, अवधेश कुमार, नवनीत कुमार व अभिषेक सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार कर रही दो महिलाओं को टक्कर मार दी

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। हरपालपुर-चौंसार मार्ग पर जोधनपुरवा गांव के पास बुधवार को तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार कर रही दो महिलाओं को टक्कर मार दी। हादसे में लट्ठपुर निवासी राधा (50) और उनकी जेठानी फूलमती (60) गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों महिलाएं खेत से घर लौट रही थीं। घायलों को इलाज के लिए हरपालपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौतए परिवार में मचा कोहराम

मृतक की फाइल फोटो

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बालामऊ जंक्शन के पास एक युवक की ट्रेन की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई! घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई व मृतक के घर में कोहराम मच गया! सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है! प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक बुधवार रात करीब 10:30 बजे यार्ड के सामने रेलवे ट्रैक पार कर रहा था तभी 14308 मुगलसराय एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ जाने से युवक के पड़खच्चे उड़ गए! घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई! मृतक की पहचान अतुल कश्यप (28) पुत्र विनोद कश्यप निवासी रेलवे गंज कछौना के रूप में हुई है! घटना से परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल है! पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला हादसे का प्रतीत होता है हालांकि घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद घटना के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा!

अज्ञात कारणों से वृद्ध की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

मृतक की फाइल फोटो

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे के मोहल्ला मिश्राना में एक वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान छोटे लाल उर्फतन्नू पुत्र रामाधार निवासी मोहल्ला मिश्राना के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वृद्ध की मौत सामान्य नहीं है। परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि किसी व्यक्ति द्वारा जान से मारने की नीयत से घटना को अंजाम दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ हरियावां अजीत सिंह चौहान भी घटनास्थल पर पहुंचे। उनके साथ फेरेंसिक टीम ने मौके से

साक्ष्य एकत्र किए और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फ्लिहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। घटना के बाद मोहल्ले में चर्चा का माहौल बना हुआ हैए वहीं परिजन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बलेहरा हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

हत्याकांड में पुलिस तीन आरोपियों को भेज चुकी है जेल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना के ग्राम बलेहरा में प्रेम प्रसंग की रंजिश में युवक की भाला से गोदकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तीन नामजद आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। 10 फ़रवरी को अक्षय सिंह पुत्र कृष्ण कुमार सिंह उर्फ छोटकन्नू निवासी ग्राम बलेहरा की

पुलिस गिरफ्त में हत्यारोपी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

उसके गांव के ही अजीत सिंह उर्फ पिंकू सिंह, जगदीश पुत्र मुलायम सिंह, पुष्पा पत्नी जगदीश, सुधीर सिंह पुत्र जागेश्वर व 01 अन्य ने पेट में भाले से वार कर हत्या कर दी थी। इस संबंध में मृतक के भाई सूरज सिंह की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की थी। बेहटा गोकुल के प्रभारी धर्मेन्द्र गिरी और पुलिस बल द्वारा नामजद वांछित सुधीर सिंह पुत्र जागेश्वर को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। 12 फ़रवरी को अजीत सिंह उर्फपिंकू सिंह,जगदीश पुत्रगण मुलायम सिंह और पुष्पा पत्नी जगदीश को पुलिस गिरफ्तार का न्यायालय के समक्ष पेश कर चुकी है।

राम और रावण की सेवा का युद्ध की लीला का मंचन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भगवान श्री रामचंद्र जी के चरित्र में वृंदावन से आए हुए सुन्दर कलाकारों द्वारा राम और रावण की सेवा का युद्ध की लीला का मंचन किया गयाए जिसमें पहले दिन के युद्ध में राम जी की सेना ने रावण की आधी सेना को मार गिराया यह समाचार रावण तक पहुंचा तो रावण को क्रोध आया और अपने पुत्र मेघनाथ को भेजा मेघनाथ गया और घोर घमासान युद्ध किया पूरे रामादल में हाहाकार मचा दियाएऔर संध्या काल हुआ तो युद्ध भी बंद हो गया!

यह दृश्य देख सभी भक्त बड़े भाव विभोर हुए! मुख्य आयोजक राम प्रकाश शुक्ला, श्रीकृष्ण अवतार दीक्षितख अमलेन्द्र नाथ मिश्रा, प्रेम शंकर द्विवेदी, अशोक शुक्ला, प्रदीप पाठक, प्रीतेश दीक्षित, प्रियम मिश्रा, मनोज शुक्ला, विनीत मिश्रा, त्रिलोकी नाथ, प्रमोद मिश्रा, मुनेन्द्र सिंह, समीर शुक्ला, कुलदीप तिवारी, अभय पाण्डेय सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिक व महिलाएं उपस्थित रही!

रात्रि की लीला में नरसी चरित्र की लीला का मंचन किया गया, जिसमें जिसमें नरसी जी की बेटी रामा का भात भरण था पर पत्रिका पढ़कर नरसी जी आश्चर्य में पड़ गएए तभी भगवान स्वयं सावल शाह बनकर भात भरा और लाज रखी! ए बड़ा सुंदर भाव रहा ब्रज का आनंद देखने को मिला !

जीनियस पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। स्पोर्ट्स स्टेडियम हरदोई में आयोजित 'स्टेट सब जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स जूडो चैंपियनशिप 2026' के ट्रायल में जीनियस पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के दम पर न केवल जीत दर्ज की, बल्कि मंडल स्तर के लिए क्वालीफाई भी किया। विजेता खिलाड़ियों में वरुण कुमार (30 किग्रा), ललित (35 किग्रा), प्रभात (40 किग्रा), और यश (50 किग्रा), शामिल रहे, जिन्होंने अपने-अपने भार वर्ग में प्रतिद्वंदियों को पटखनी दी। इस उपलब्धि पर जिला क्रीड़ा अधिकारी मंजू शर्मा, एथलेटिक्स कोच आशीष पाल और स्कूल के जूडो कोच अनुपम पाल ने बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान भारी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

नगदी सहित लाखों के ज़ेवर चोरी, पुलिस जाँच में जुटी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। मंझिला थाना क्षेत्र के ग्राम आदमपुर में बीती रात एक घर से पांच हजार रुपये नकद और लाखों रुपये के सोने.चांदी के जेवरात चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। जिसमे अज्ञात चोरों ने इस वारदात को संदिग्ध परिस्थितियों में अंजाम दिया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल कर रही है।पीड़िता सरिता यादव पुत्री दयाराम के अनुसार सुबह उन्हें अपनी नाक की बाली गायब मिली। शुरुआती खोजबीन के बाद जब बाली नहीं मिली और उन्होंने घर के अन्य सामन की जांच कीए तो उन्हें चोरी की घटना का पता चला। घर में रखे पांच हजार रुपये नगद और संदूक में रखे कीमती जेवरात गायब मिले। पीड़िता ने तत्काल डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस के अनुसारए जिस सफाई से चोरी की घटना को अंजाम दिया गया हैए उससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार मामले की तहकीकात शुरू कर दी गई है।

फाँसी के फंदे पर लटकता मिला महिला का शव

साण्डी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर के मोहल्ला नौशहरा में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक महिला का शव घर के अंदर कमरे में फांसी के फंदे पर लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे इलाके में हड़कंप की स्थिति बन गई जानकारी के अनुसार मोहल्ला नौशहरा निवासी रोशनी पत्नी गंगासागर का शव घर के कमरे में फंदे से लटकता मिला महिला को इस हालत में देखकर परिवार वालों के होश उड़ गए। आनन.फानन में मामले की सूचना पुलिस और मायके पक्ष को दी गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी साथ ही फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मृतका के पिता माधेरामए निवासी ग्राम बढ़नी थाना बिलग्राम ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रोशनी की शादी 2021 में नौशहरा निवासी गंगासागर के साथ की थी। रोशनी के दो छोटे बच्चे हैंए जिनमें 4 वर्षीय बेटी पूजा और डेढ़ वर्षीय बेटा मानस शामिल हैं। बेटी की संदिग्ध मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया थाना प्रभारी बसंत लाल ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हुई है

कार्यालय नगर पालिका परिषद साण्डी जनपद-हरदोई

पत्रांक-776/न0पा0परि0साण्डी/ई-निविदा सूचना/वर्ष 2025-26 **दिनाँक-19.02.2026**

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद साण्डी, हरदोई को वित्तीय वर्ष 2025-26 मे राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त / अवशेष धनराशि से कार्य कराये जाने हेतु समस्त पंजीकृत ठेकेदारों से दिनाँक-19.02.2026 से दिनाँक-27.02.2026 को अपराहन 02:00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी समस्त कार्यवाही **www.e-tender.up.nic.in** पर ही की जायेगी । अपलोड की गयी निविदायें दिनाँक-27.02.2026 को अपरान्ह् 03:00 बजे खोली जायेंगी। टेण्डर स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी कार्यालय से भी किसी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

(टेण्डर शिड्यूल (**www.e-tender.up.nic.in**)

कार्यो से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् हैः-

क्रं0 सं0	विवरण	प्रारम्भ दिनाँक एवं समय	अन्तिम दिनाँक एवं समय
1	Tender Release	19.02.2026	-
2	Tender Download & Bid -Submission	19.02.2026 11:00 AM	-
3	Close for Bid	-	27.03.2026 समय 02:00 PM
4	Technical Bid Opening	-	27.03.2026 समय 03:00 PM
5	Finence Bid Opening	After Approval of Technical Bid	

क्रं0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (बी0ओ0क्यू) (रू0 में)	जमानत धनराशि 2% EMD (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी. एस.टी. सहित (रू0 में)	मद का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	हरदोई	होलिका स्थल पर डालने हेतु सूखी लकड़ी आपूर्ति का कार्य 410 कुण्टल।	4,10,000	41,000.00	410.00	राज्य वित्त/ पालिका निधि

निविदा हेतु नियम व शर्तेः-

1. निविदा खोले जाते समय निविदादाता / ठेकेदार व उसका अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रह सकता है।
2. बिना कारण बताये किसी अथवार समस्त निविदाओं को स्थगित या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित व रहेंगे। ऐसी दशा में निविदादाता को निविदा मूल्य वापस मांगने का कोई हक न होगा।

A. जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रदत्त स्वप्रमाणित चरित्र प्रमाण-पत्र संलग्न करें।
B. जिलाधिकीर महोदय द्वारा प्रदत्त स्वप्रमाणित हैसियत प्रमाण-पत्र संलग्न करें।
C. किसी भी स्वायत्त निकाय /पब्लिक सेक्टर विभाग /राज्य सरकार /केन्द्र सरकार /अन्य सरकारी विभाग में अ, ब, स, श्रेणी में पंजीकरण की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें।
D. निविदादाता द्वारा अपना अधिकृत पता, ई-मेल आई0डी0, मोबाइल नम्बर तथा सम्पर्क नम्बर अपने लेटर पैड पर लिखकर अपलोड करना होगा।
E. स्वप्रमाणित पैन कार्ड की छाया प्रति।
F. स्वप्रमाणित जी0एस0टी0 रजिस्ट्रेशन की छाया प्रति।

3. भुगतान धन उपलब्ध होने पर ही किया जायेगा।
4. नियमानुसार आयकर एवं जी0एस0टी0 आदि की कटौती की जायेगी।
5. बिना कारण बताये निविदा को स्थगित या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
साण्डी (हरदोई)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
साण्डी (हरदोई)

असमः चुनावी खेल में संविधान तार-तार

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा मुस्लिम विरोधी अपने बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। भाजपा ने उन्हें असम में मुख्यमंत्री क्यों बनाया है और क्यों वो मोदी-शाह की आंखों के तारे बने हुए हैं, यह समझना कठिन नहीं है। हिमंता बिस्वासरमा का बस चले तो असम को वे देश का पहला हिंदू राज्य घोषित कर दें, क्योंकि बार-बार लगातार उनके बयानों में यही संदेश सामने आता है कि मुसलमानों को राज्य से बाहर किया जाए। अभी कुछ दिनों पहले हिमंता बिस्वासरमा का एक वीडियो भी काफी वायरल हुआ था, जिसमें वो मुसलमान दिख रहे लोगों पर निशाना साध रहे थे। असम की भाजपा ईकाई ने यह वीडियो जारी किया था और इसमें ऊपरी तौर पर घुसपैठियों को बाहर करने का संदेश था, लेकिन असल निशाना अल्पसंख्यक समुदाय पर ही था। और जहां तक घुसपैठियों को बाहर करने या उन पर कार्रवाई करने का सवाल है, तो यह काम भी कानून के दायरे में होना चाहिए। अगर सत्ता पर बैठा शख्स हाथ में बंदूक लेकर इंसाफ करने निकल पड़े तो फिर देश में अदालतों की जरूरत ही क्या होगी। अफसोस इस बात का है कि सुप्रीम कोर्ट की राय इस बारे में अलग है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हिमंत बिस्वासरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकर्ताओं से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनावों से पहले ऐसे कई मामले सामने आते हैं। यह एक चलन बनता जा रहा है। असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है। इस बात पर कोई दो राय नहीं है कि चुनावों में विरोधी पर वार करने के लिए कई बार कानूनी लड़ाइयों का सहारा लिया जाता है। बल्कि मोदी के शासनकाल में तो जांच एजेंसियों का भी खुला इस्तेमाल होने लगा है। लेकिन असम का यह मामला कल्पना से उपजा आरोप नहीं है, बल्कि हिमंता बिस्वासरमा ने जिस तरह मुसलमान को बंदूक की नोक पर रखा है, वह बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि इसमें न केवल कानून और संवैधानिक पद की मर्यादा का मखौल उड़ाया गया है, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्षता के चिथड़े-चिथड़े करने की मानसिकता झलकी है। गौरतलब है कि 8 फरवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम भाजपा के एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वासरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। लेकिन कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीर में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन पॉइंट-ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत ने इस वीडियो को शेयर करते हुए पूछा था कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं? वहीं कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा था कि यह नरसंहार का आह्वान करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है। श्री बिस्वासरमा के इस वीडियो पर कांग्रेस, आरजेडी, शिवसेना समेत कई विपक्षी दलों ने आलोचना कर कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन हिमंता बिस्वासरमा पर कोई फर्क नहीं पड़ा था। उनका कहना था कि जेल जाने के लिए तैयार रहूंगा, लेकिन घुसपैठियों का मुद्दा नहीं छोड़ूंगा। जिस तरीके से हिमंता बिस्वासरमा ने अपने बयान को सही ठहराया था, उससे सवाल उठता है कि क्या उन्हें पता था कि जब तक मोदी-शाह का हाथ उनकी पीठ पर है, उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यहां ये भी याद कर लेना चाहिए कि इससे पहले हिमंता बिस्वासरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में स्पेशल रिवीजन में 4 से 5 लाख मिया मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से मिया समुदाय को परेशान करने की अपील की ताकि वे असम से चले जाएं।

हिमंता बिस्वासरमा का बस चले तो असम को वे देश का पहला हिंदू राज्य घोषित कर दें, क्योंकि बार-बार लगातार उनके बयानों में यही संदेश सामने आता है कि मुसलमानों को राज्य से बाहर किया जाए। अभी कुछ दिनों पहले हिमंता बिस्वासरमा का एक वीडियो भी काफी वायरल हुआ था, जिसमें वो मुसलमान दिख रहे लोगों पर निशाना साध रहे थे। असम की भाजपा ईकाई ने यह वीडियो जारी किया था और इसमें ऊपरी तौर पर घुसपैठियों को बाहर करने का संदेश था, लेकिन असल निशाना अल्पसंख्यक समुदाय पर ही था।

रोबोडॉग प्रकरणः प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर शिक्षा तक पहुँच बढ़ने और जनसांख्यिकीय लाभ के रूप में प्रस्तुत किया गया।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं। पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर शिक्षा तक पहुँच बढ़ने और जनसांख्यिकीय लाभ के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी पर गुणवत्ता लगातार गिरती चली गई। आज देश के अधिकांश-हालाँकि सभी नहीं–निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लेन-देन बनती जा रही है- पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है। यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है जहाँ कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य- जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था–अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियाँ तो दी जा रही हैं लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही। इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएँ नहीं समझ पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं। स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार योग्य ही नहीं हैं। यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है। भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है। मान्यता प्रणालियाँ, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएँ अक्सर वास्तविक मूल्यांकन की बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं। निरीक्षण प्रायः पूर्व निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढाँचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति- इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को मैनेज करना सीख लेते हैं। इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है- संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियाँ लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है जहाँ प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियाँ नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है। यह केवल अन्याय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की बर्बादी है। यह स्वीकार करना होगा कि भारत में आज भी कुछ उच्च-गुणवत्ता वाले संस्थान मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। लेकिन वे अपवाद हैं, नियम नहीं। उल्लेखनीय है कि बारहवीं तक की स्कूली शिक्षा आज भी अपेक्षाकृत अधिक संरचित और नियंत्रित है। जैसे ही छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश करता है, निगरानी ढीली पड़ जाती है और अपेक्षाएँ धुंधली हो जाती हैं। यदि इस प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो इसके दीर्घकालिक परिणाम गंभीर होंगे। डिग्रियों का सामाजिक और आर्थिक मूल्य घटेगा। उच्च शिक्षा पर सार्वजनिक विश्वास कमजोर होगा। योग्यता और औसतपन के बीच का अंतर और अधिक अस्पष्ट होता जाएगा। हर गली में विश्वविद्यालय जैसे वाक्य व्यंग्य नहीं बल्कि यथार्थ का वर्णन बन जाएंगे–जहाँ विश्वविद्यालय तो हर जगह होंगे, पर शिक्षा नहीं। अब सुधार का समय है और यह सुधार ईमानदार और कठोर होना चाहिए। नियामक संस्थाओं को बॉक्स-टिकिंग से आगे जाकर परिणाम आधारित, पारदर्शी और अप्रत्याशित मूल्यांकन अपनाना होगा। शिक्षण की गुणवत्ता, सीखने के परिणाम, छात्र सहभागिता और मूल्यांकन की ईमानदारी को इमारतों और विज्ञापनों से ऊपर रखना होगा। संस्थानों की जवाबदेही तय करनी होगी। जो कॉलेज और विश्वविद्यालय लगातार अकादमिक रूप से असफल हो रहे हैं, उनके खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए- सीटों में कटौती, पाठ्यक्रम निलंबन या मान्यता रद्द करने तक। उच्च शिक्षा ऐसा व्यवसाय नहीं हो सकता जहाँ असफलता की कोई क़ीमत न चुकानी पड़े। छात्रों और अभिभावकों को भी अधिक सजग होना होगा। केवल मार्केटिंग, बुनियादी ढाँचे और ब्रांडिंग के आधार पर निर्णय लेना भविष्य के साथ समझौता है। शिक्षा कोई साधारण ख़रीद नहीं बल्कि बौद्धिक और व्यावसायिक विकास में निवेश है और ग़लत निर्णयों के दूरगामी परिणाम होते हैं। अंततः, उच्च शिक्षा का उद्देश्य डिग्री बाँटना नहीं बल्कि सोचने-समझने वाले, सक्षम और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार करना है। जब तक यह मूल उद्देश्य पुनः स्थापित नहीं होता, तब तक रोबोडॉग जैसे विवाद आते रहेंगे- कुछ समय के लिए शोर मचाएँगे और फिर शांत हो जाएँगे, जबकि असली संकट जस का तस बना रहेगा। हमें सजावटी सुधार नहीं, बल्कि प्रणालीगत आत्ममंथन चाहिए। क्योंकि शिक्षा का संकट केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, वह चुपचाप राष्ट्र का भविष्य गढ़ता है।

न्याय बने विकास की कसौटी

सामाजिक न्याय का विश्व दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा। यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है।

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए देशों के बीच साझा प्रतिबद्धता को मजबूती मिल सके। वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा। यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढ़ांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है। सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिले बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्म स्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं। भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से आरक्षण नीति, सामाजिक कल्याण योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश तथा कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। बावजूद इसके, क्षेत्रीय असमानताएं, शहरी-ग्रामीण विभाजन, डिजिटल डिवाइड और लैंगिक विषमता जैसी चुनौतियां आज भी बनी हुई हैं। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि क्या हमारी नीतियां अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं, क्या शिक्षा और रोजगार के अवसर वास्तव में समान हैं और क्या विकास का लाभ संतुलित रूप से बंट रहा है? यह दिवस यह भी याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय की लड़ाई किसी एक देश या सरकार की नहीं बल्कि वैश्विक सहयोग और सामूहिक प्रयास की मांग करती है। सामाजिक न्याय का विश्व दिवस 2026 इस सत्य को दोहराता है कि सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब कोई भी पीछे न छूटे। समावेशन और सशक्तिकरण केवल शब्द नहीं बल्कि रोजमर्रा के निर्णयों, नीतियों और सामाजिक व्यवहारों में उतारने योग्य जिम्मेदारी हैं। जब हर व्यक्ति को समान गरिमा, अवसर और सुरक्षा मिलती है, तभी न्याय कागजों से निकलकर जीवन की वास्तविकता बनता है और एक अधिक मानवीय, समावेशी तथा न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण संभव हो पाता है।

विकास का संकल्प : ट्रिपल इंजन से बदलेगी दिल्ली की तस्वीर

ललित गर्ग

ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ वित्तीय समन्वय के रूप में सामने आया है। दिल्ली सरकार को अब पूंजीगत व्यय के लिए ऋण अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां ब्याज दर 13-14 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी, वहीं अब लगभग सात प्रतिशत पर ऋण मिलना संभव हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा निर्धारित किए जाने से आधारभूत ढांचे के विकास में धनाभाव की आशंका कम हुई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा पीएम भीम योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की समयावधि बढ़वाने में भी दिल्ली सरकार को सफलता मिली है।

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में दिल्ली के लिए 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का प्रावधान केवल एक आर्थिक घोषणा नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य की रूपरेखा है। सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित ल्लट्रिपल इंजन सरकारङ्क का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरुआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। 'दिल्ली लखपति बिटिया योजना', मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे। उनका यह भी कहना है कि ट्रिपल इंजन की व्यवस्था-अर्थात केंद्र, राज्य और नगर निकाय में एक ही राजनीतिक नेतृत्व के कारण विकास कार्यों में समन्वय और गति दोनों आई है।

ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ वित्तीय समन्वय के रूप में सामने आया है। दिल्ली सरकार को अब पूंजीगत व्यय के लिए ऋण अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां ब्याज दर 13-14 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी, वहीं अब लगभग सात प्रतिशत पर ऋण मिलना संभव हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा निर्धारित किए जाने से आधारभूत ढांचे के विकास में धनाभाव की आशंका कम हुई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा पीएम भीम योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की समयावधि बढ़वाने में भी दिल्ली सरकार को सफलता मिली है। आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ अब राजधानी के अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा की ठोस गारंटी मिल रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के संकेत अवश्य दिखाई दिए हैं। मोहल्ला क्लीनिक मॉडल पर उठे प्रश्नों और अधूरी स्वास्थ्य परियोजनाओं के बीच नई सरकार ने अस्पतालों के आधुनिकीकरण, बेड क्षमता बढ़ाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यदि यह प्रयास निरंतरता से जारी रहा तो दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी के अनुरूप विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी पारदर्शिता और गुणवत्ता सुधार का दावा किया गया है। पिछले वर्षों में शिक्षा मॉडल को लेकर जहां एक ओर प्रशंसा हुई, वहीं भवनों की गुणवत्ता, संसाधनों के उपयोग और परिणामों पर सवाल भी उठे। नई सरकार के लिए यह चुनौती है कि वह शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से ऊपर उठाकर वास्तविक गुणवत्ता सुधार की दिशा में कार्य करे। परिवहन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी गति लाने का प्रयास हुआ है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, बस बेड़े के आधुनिकीकरण और सड़कों के सुधार की योजनाएं केंद्र और राज्य के समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। दिल्ली मेट्रो पहले से ही राजधानी की जीवनरेखा रही है, अब किराए में राहत या छात्रों के लिए विशेष प्रावधान जैसे कदम यदि लागू होते हैं तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यातायात जाम की समस्या के समाधान के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास और स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान देना आवश्यक है। एक वर्ष में कुछ परियोजनाओं को गति मिली है, किंतु राजधानी जैसे विशाल महानगर में ठोस परिणामों के लिए निरंतर प्रयास अपेक्षित हैं। सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण और वायु प्रदूषण की है। बीते दशक में दिल्ली विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का संकट है। मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस योजनाओं का उल्लेख किया है-जैसे हरित आवरण बढ़ाना, निर्माण कार्यों पर निगरानी, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय। परंतु यह भी सत्य है कि प्रदूषण जैसी जटिल समस्या का समाधान केवल घोषणाओं से संभव नहीं, इसके लिए कठोर क्रियान्वयन, क्षेत्रीय सहयोग और जनसहभागिता की आवश्यकता होगी। यमुना की सफाई भी दिल्ली की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर योजनाएं बनती रहीं, बजट खर्च होता रहा, पर परिणाम संतोषजनक नहीं रहे। वर्तमान सरकार ने यमुना को स्वच्छ और पर्यटन योग्य बनाने का संकल्प दोहराया है। यदि सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण और नदी तट के पुनर्विकास की योजनाएं समयबद्ध तरीके से लागू होती हैं, तो यह दिल्ली की छवि को नया आयाम दे सकती हैं। यमुना का पुनर्जीवन केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी अवसर है। महिलाओं और बेटियों के लिए घोषित योजनाएं-जैसे 'लखपति बिटिया योजना'-सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक कदम मानी जा सकती हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पारदर्शिता से पहुंचता है, तो यह परिवारों की आर्थिक सुरक्षा और शिक्षा के अवसरों को बढ़ा सकता है। मुफ्त एलपीजी सिलेंडर जैसी पहल घरेलू अर्थव्यवस्था में राहत देती है, विशेषकर निम्न आय वर्ग के लिए। किंतु इन योजनाओं की सफलता क्रियान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगी। एक वर्ष की अवधि किसी भी सरकार के लिए बहुत बड़ी नहीं होती, विशेषकर तब जब उसे पिछली सरकारों की अधूरी परियोजनाओं और व्यवस्थागत खामियों को भी दुरुस्त करना हो। यह भी सच है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच विकास का वास्तविक आकलन कठिन हो जाता है। नई सरकार ने पूर्ववर्ती शासन की कमियों-जैसे कथित भ्रष्टाचार, अधूरी इमारतें, प्रदूषण नियंत्रण में विफलता को सुधारने का दावा किया है। किंतु जनता अब केवल आरोप नहीं, परिणाम देखना चाहती है। आने वाले वर्षों के लिए सरकार के सामने स्पष्ट लक्ष्य होने चाहिए-स्वच्छ वायु, स्वच्छ यमुना, सुगम यातायात, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य और पारदर्शी प्रशासन। राजधानी होने के नाते दिल्ली को केवल भारत का प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि आदर्श शहरी मॉडल बनना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि बजट में आवंटित राशि का पूर्ण और पारदर्शी उपयोग हो, परियोजनाएं समयबद्ध पूरी हों और जनभागीदारी को प्रोत्साहन मिले। ट्रिपल इंजन सरकार का वास्तविक अर्थ तभी सिद्ध होगा जब समन्वय का लाभ जमीन पर दिखाई दे। केंद्र और राज्य के बीच टकराव की राजनीति के स्थान पर सहयोग की भावना यदि कायम रहती है, तो दिल्ली विकास की नई ऊंचाइयों को छू सकती है। एक वर्ष में कुछ सकारात्मक संकेत अवश्य मिले हैं, परंतु अभी लंबी यात्रा शेष है। सरकार को अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने के साथ-साथ कमियों का ईमानदार आत्ममंथन भी करना होगा। दिल्ली की जनता जागरूक है और अपेक्षाएं भी बड़ी हैं। वह केवल वादों से संतुष्ट नहीं होगी, उसे परिणाम चाहिए। यदि रेखा गुप्ता सरकार अपने संकल्पों को धरातल पर उतारने में सफल होती है, तो आने वाले वर्षों में दिल्ली सचमुच एक स्वच्छ, स्वस्थ, सुरक्षित और आधुनिक महानगर के रूप में उभर सकती है। यही समय है जब बजट की घोषणाओं को विकास की वास्तविक कहानी में बदला जाए और राजधानी को समस्याओं के प्रतीक से समाधान के मॉडल में परिवर्तित किया जाए।

जिलाधिकारी ने ग्राम चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। गांव की समस्या, गांव में समाधान अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने विकास खंड मूरतगंज के ग्राम रसूलपुर बदले में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये। चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने जिला उद्यान अधिकारी को विद्यालय में 19 पैरामीटर के अंतर्गत कराए गए कार्यों, निपुण तालिका, साफ-सफाई एवं डीबीटी की स्थिति का सत्यापन कर आख्या प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने लाभार्थियों से पुष्टाहार, पेंशन, शौचालय, राशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना तथा आवास योजना के लाभ की जानकारी ली और छूटे हुए पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिये। विद्यालय की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता और शिक्षण कार्य के बारे में ग्रामीणों से पूछा। ग्रामीणों ने बताया कि शिक्षक समय से आते हैं और शिक्षण कार्य संतोषजनक है। स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए ग्रामीणों ने नजदीकी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर संतोष व्यक्त किया। आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सीडीपीओ को निर्देश दिए कि जिन केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति कम है, वहां संबंधित कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर उपस्थिति बढ़ाई जाए। पशु चिकित्सा सेवाओं की समीक्षा में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को पशुओं के टीकाकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभार्थियों सुरेंद्र कुमार, गीता देवी, मन्त्रा देवी एवं दीपक कुमार को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी सम्पन्न कराया गया।

ग्रामवासियों ने विद्युत कटौती एवं दो विद्युत खंभों के टूटे होने की शिकायत की, जिस पर अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्धारित समयानुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं खंभे बदलवाने के निर्देश दिए गए। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ की अनुपस्थिति की शिकायत पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और प्रतिदिन की मॉनिटरिंग के निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिये। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में ग्राम के 103 लोग पात्र पाए गए हैं, जिन्हें मार्च माह के बाद आवास निर्माण हेतु धनराशि मिलनी शुरू हो जायेगी। ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और लाभ उठाने की अपील की।

निकाय अधिकारियों को स्वच्छ भारत मिशन सर्वेक्षण की दी जानकारी

बांदा। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 तैयारी के लिए आयोजित मंडलीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर पालिका व नगर पंचायत अधिशासी अधिकारियों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत सर्वेक्षण कार्यों की जानकारी दी गई। बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण अगले माह के दूसरे सप्ताह से शुरू होगा। कलक्ट्रेट स्थित महर्षि वामदेव सभागार में गुरुवार को एडीएम कुमार धर्मेंद्र की उपस्थिति में स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) तैयारी को मंडल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में शहर को स्वच्छ रखने के लिए कूड़ा कलेक्शन सेंट्रो एवं डंपिंग के स्थान को चिन्हित करने तथा घर-घर कूड़ा कलेक्शन की जानकारी करते हुए कूड़ा कलेक्शन सरचार्ज लिए जाने के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। शौचालयों व सामुदायिक शौचालय समेत यूरिनल को स्वच्छ रखने पर जोर दिया। कूड़ा निस्तारण के बाद कंपोजिट खाद तैयार करने संबंधी प्रशिक्षण में विशेष जानकारी दी गई। स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता लाने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने के विषय में प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया गया।

विधानसभा के बजट सत्र में गूंजीं बबेरू और नरैनी क्षेत्र की समस्याएं

- बबेरू विधायक ने बाईपास निर्माण और कर्जमाफी का मुद्दा किया बुलंद
- नरैनी विधायक ने उठाई पुल और विद्युत सब स्टेशन निर्माण की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। विधानसभा में चल रहे बजट सत्र में जिले की प्रमुख समस्याएं एक बार फिर से गूंजीं। बबेरू से सपा विधायक विशंभर सिंह यादव ने जहां सदन में बाईपास निर्माण और किसानों की कर्जमाफी की मांग बुलंद की, उन्होंने जिले में जल जीवन मिशन की खामियों पर भी सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। वहीं नरैनी से भाजपा विधायक ओममणि वर्मा ने पक्के पुल बनवाने के साथ बिजली उपकेंद्र बनवाने का मुद्दा उठाया। बुधवार को बजट सत्र में बबेरू विधायक श्री यादव ने मुख्य रूप से बबेरू कस्बे में भीषण जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए रिंगरोड बाईपास का निर्माण, बबेरू में बन रहे रोडवेज बस अड्डे को जल्द पूरा करने, जल जीवन मिशन के तहत खोदी गई सड़कों को सही कराने की बात उठाई। इसके अलावा उन्होंने बुंदेलखंड में कर्ज की मार झेल रहे किसानों के कर्ज को माफ करने के साथ ही युवाओं में फैल रही बेरोजगारी पर सवाल खड़े किए है। विधायक ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार बजट को बहुत बता रही है लेकिन धरातल पर काम कुछ नही होता। कहा कि अति पिछड़ा क्षेत्र बुंदेलखंड हमेशा सूखा और बाढ़ की मार झेलता आ रहा है लेकिन इस बजट में बुंदेलखंड के लिए कुछ न दिए जाने से बुंदेलखंडवासी अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बजट पर बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए कोई कदम नही उठाया गया है। तीर्थ क्षेत्र चित्रकूट को भी कुछ हासिल नही हुआ है। इस सरकार में बेरोजगारी मंहगाई चरम पर किसान नौजवान पूरी तरह तबाह हैं। ये बजट पूरी तरह किसान नौजवान मजदूर विरोधी साबित हो रहा है। वहीं नरैनी विधायक ओममणि वर्मा ने बजट की सराहना की और अपनी विधान सभा क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि भीषण जाम की समस्या को देखते हुए अतर्रा-नरैनी में बाईपास का निर्माण कराया जाना आवश्यक हो गया है। नरैनी विधायक श्रीमती वर्मा ने करतल व सिंहपुर में विद्युत उपकेंद्र का निर्माण, बागे नदी में तेरा-पथरा घाट पर पक्के पुल का निर्माण, बदौसा को ब्लाक, ओरन को थाना बनाने, कालिंजर को नगर पंचायत बनाने की मांग बुलंद की। उन्होंने क्षेत्र में सड़क, स्कूल और अस्पताल की भी मांग की।

लखनऊ में लाठीचार्ज के विरोध ने कांग्रेसियों ने किया धरना प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। लखनऊ में विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को जनपद में कांग्रेसियों ने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा और ह्लसड़क से सदन तकङ्क विरोध दर्ज कराया जाएगा। जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने बताया कि 17 फरवरी को ह्लमनरेगा बचाओ महासंग्राम अभियानङ्क के तहत कार्यकर्ता लखनऊ में विधानसभा का घेराव करने जा रहे थे। आरोप है कि उसी दौरान पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किया गया, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष सहित कई कार्यकर्ता घायल हो गए। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर लोकतांत्रिक आवाज दबाने का आरोप लगाया।

धरना-प्रदर्शन के दौरान राम बहादुर त्रिपाठी, संतोष शुक्ला, रवि नारायण तिवारी, संजय तिवारी, छोटे लाल, जय प्रकाश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खनन माफियाओं ने केन व बागेन नदी को बना डाला मौत का कुआं

- अतर्रा तहसील के तेरा-ब में धड़ल्ले से चल रहा अवैध खनन का खेल
- पैलानी तहसील की साड़ी खदान में एनजीटी के आदेशों का खुला उल्लंघन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। लाल सोने के कारोबार के लिए कुख्यात बांदा जनपद में इन दिनों करीब दो दर्जन से अधिक बालू की वैध-अवैध खदानें संचालित हो रही हैं। बालू कारोबार से जुड़े व्यवसायी जल्द से जल्द अधिक धन कमाने की होड़ में नियमों को ताक पर रखकर नदियों का सीना छलनी कर रहे हैं और सरकारी राजस्व के साथ ही पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाने से बाज नहीं आ रहे। जिले से बहने वाली जीवनदायिनी केन, बागेन और यमुना नदी पर संचालित तमाम खदानों में प्रतिबंधित मशीनरी के जरिए खुलेआम बालू का अवैध खनन कराया जा रहा है।

अतर्रा तहसील के बदौसा क्षेत्र से निकलने वाली बागेन नदी इन दिनों बालू माफिया की आरामगाह बनी हुई है। नदी पर संचालित तेरा-ब बालू खदान में बालू माफिया न सिर्फ प्रतिबंधित मशीनों के जरिए बालू की अवैध निकासी कर रहा है, बल्कि दी की जलधारा को रोककर बालू भरे ट्रक निकालने का रास्ता भी बना डाला है। इतना ही नहीं बालू कारोबारी की मनमानी का खामियाजा आसपास के ग्रामीण किसानों को भी भुगतना पड़ रहा है। आलम यह है कि बालू माफिया ने दबंगई की दम पर भूमिधरी खेतों से बालू के ट्रक निकालने का रास्ता बना लिया और ट्रकों से उड़ने वाले गुबार से आसपास के सैकड़ों बीघा खेतों की फसलें बर्बाद हो रही है।

कांग्रेसियों ने महात्मा गांधी प्रतिमा के नीचे बैठकर किया सत्याग्रह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- नेताओं को नजरबंद करने व लखनऊ में लाठीचार्ज का जताया विरोध

बांदा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के आह्वान पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष की अगुवाई में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका परिषद कार्यालय स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे बैठकर धरना देकर सत्याग्रह किया। कार्यकर्ताओं ने 17 फरवरी को लखनऊ में विधान सभा घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों पर लाठीचार्ज और नेताओं को नजरबंद का विरोध कड़ा विरोध जताया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि योगी सरकार किसानों और गरीबों की आवाज दबाकर हिटलर बन रही है। उन्होंने लाठीचार्ज करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवाज बुलंद की।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित की अगुवाई में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ता नगर पालिका परिषद कार्यालय पहुंचे। यहां परिसर में लगी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए प्रतिमा के नीच बैठकर सत्याग्रह किया। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए नीतियों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि गांधीवादी तरीके से मनरेगा सहित अन्य प्रमुख समस्याओं को लेकर विधानसभा घेराव करने जा रहे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मंत्री अजय राय समेत तमाम कार्यकर्ताओं को सरकार के इशारे पर रोका गया।

इतना ही नहीं जब वह आगे बढ़ने के लिए हुए तो गांधीवादी तरीके से प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस घटना में प्रदेश अध्यक्ष सहित तमाम कांग्रेस नेता घायल हो गए। उन्होंने बताया कि विधानसभा घेराव कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पूरे प्रदेश से लखनऊ जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कई जिलों में हाउस अरेस्ट कर दिया गया। आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने तानाशाही के बल पर आंदोलन कुचलने का कुचक्र किया।लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता हर स्थिति का मुकाबला करते हुए सांसद सोनिया गांधी समेत राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सदैव खड़ा रहेगा। कांग्रेस कार्यकर्ता न झुकेगा न डरेगा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि योगी सरकार किसानों और गरीबों की आवाज दबाकर हिटलर बन रही है। उन्होंने लाठीचार्ज करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवाज बुलंद की।

सत्याग्रह में इनकी रही भागीदारी

नगर पालिका परिषद कार्यालय स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा की नीचे बैठकर सत्याग्रह के दौरान मनरेगा चेयरमैन रमेशचंद्र कोरी समेत महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीमा खान, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अफसाना शाह, जिला उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी संकटा प्रसाद त्रिपाठी, पवन देवी कोरी, द्वारिकेश सिंह यादव मंडेला, सूरज बाजपेई, बल्देव वर्मा, कालीचरण निगम, जितेंद्र गौरव, राममिलन सिंह पटेल, इरफान खान, बी.लाल, संतोष द्विवेदी, राजेश गुप्ता पप्पू, हेमंत वर्मा, रामकुमार सिंह, कालीचरण साहू, अंबिका प्रसाद खेंगर, रामसनेही गौतम, सत्यप्रकाश द्विवेदी, अमित तिवारी, देवेंद्र सिंह, राजबहादुर गुप्ता, अशोक चौहान, जिलानी दुर्रानी, अशोकवर्धन कर्ण, सुखदेव गांधी, रफत खान, सेवालाल समेत तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहन की हत्या कर अपहरण की रची साजिश, आरोपी भाई गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद उन्नाव के थाना दही क्षेत्र में बहन की हत्या कर अपहरण की झूठी कहानी गढ़ने वाले आरोपी भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने घरेलू विवाद और ईर्ष्या के चलते अपनी ही बहन की गला दबाकर हत्या कर दी थी और शव जंगल में छिपा दिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दही पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को दबोच लिया गया।

अपहरण की गढ़ी थी झूठी कहानी

पुलिस के अनुसार 18 फरवरी 2026 को रामनरेश पुत्र स्व. होरीलाल निवासी ग्राम तारगांव, थाना दही ने सूचना दी कि उनकी 24 वर्षीय पुत्री की शादी रिंकू उर्फ रमाकांत निवासी कछियनखेड़ा, थाना फतेहपुर चौरासी से हुई थी। विदाई के लिए उन्होंने अपने 22 वर्षीय पुत्र अजय को ई-रिक्शा से भेजा था। रामनरेश के मुताबिक रात करीब 10:15 बजे अजय घर अकेला लौटा और बताया कि बाजार खेड़ा के पास दो अज्ञात व्यक्तियों ने ई-रिक्शा रोककर उसे कुछ खिला दिया और उसकी बहन का अपहरण कर लिया।

छात्र की सड़क हादसे में मौत

बांगरमऊ। कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ मार्ग पर ग्राम मुस्तफाबाद के निकट तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य / उ0रे0
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-Int-248107-1-25-1 (Advertising-Train Interior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20-02-2026 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20-02-2026 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-LKO-TPNR-OH-594-25-1 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20-02-2026 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20-02-2026 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-LKO-MLJ-OH-609-25-1 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20-02-2026 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20-02-2026 समय 10:50 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-LKO-NNH-OH-608-25-1 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20-02-2026 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-LKO-BBK-OH-587-25-1 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	20-02-2026 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	20-02-2026 समय 11:10 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-LKO-LKO-OSD-636-26-1 (Advertising-On Station Premise (Digital))
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-InExt-250808-1-24-2 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-InExt-96839-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 11:50 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-InExt-174932-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 12:00 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-InExt-108892-1-24-2 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 12:10 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-InExt-131082-1-24-3 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे

नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 12:20 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-InExt-109933-1-24-1 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 12:30 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-InExt-223770-1-24-2 (Advertising-Train Interior and Exterior)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 12:40 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	MSS-LKO-PYGS-MaChr-75-24-1 (Misc Static-Services-Relaxation Chair)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	05-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21-02-2026 समय 12:50 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-LKO-BSB-OSD-638-26-1 (Advertising-On Station Premise (Digital))
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	09-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	24-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	24-02-2026 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-LKO-SLN-OSN-640-26-1 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	09-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	24-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	24-02-2026 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	MSS-LKO-LKO-PS-156-26-1 (Misc Static - Services-Premium Store)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	12-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	27-02-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	27-02-2026 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	ADVT-LKO-LKO-OH-514-24-2 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06-03-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06-03-2026 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	MSS-LKO-AMG-GZ-99-25-1 (Misc Static - Services-Gaming Zone)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06 03-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06-03-2026 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	MSS-LKO-LKO-Mobstore-157-26-1 (Misc Static-Services-Mobile and Accessories Kiosk)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06-03-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06-03-2026 समय 11:50 बजे
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	MSS-LKO-RBL-MFC-138-25-1 (Misc Static - Services-Multi Functional Complex)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18-02-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	06-03-2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06-03-2026 समय 12:00 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहा पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

No: Va-VII LKO DIV/ Publicity/CPRO/2025/KKG Dt. 18.02.2026 556/2026

ग्राहकों की सेवा में गुरुकाल के साथ

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई– ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट / जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
नीलामी सूचि सं.	PYGS-Ctg
कार्य का विवरण	Allotment of catering Stall at PYGS station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13-02-2026
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लाट)	02-03-2026 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने कि तिथि व समय	02-03-2026 at 11:30 hrs
वेबसाइट विवरण जहा पंजीकृत बोलीदाताओ द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under:

SN	Station	Lot No	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
1	PRAYAGRAJ SANGAM	Catg-LKO-PYGS-SMU-42-24-1	PYGS/PF-1/104/NEW	02-03-2026 at 11:30 hrs	SMU	SC

560/2026

ग्राहकों की सेवा में गुरुकाल के साथ

बसंतकालीन गन्ना बुवाई की तैयारियों का सघन निरीक्षण

● यंत्रीकरण और उन्नत प्रजातियों पर जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। बसंतकालीन गन्ना बुवाई की तैयारियों को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूरा कराने के उद्देश्य से मिल परिषद क्षेत्र में सीड रिजर्वेशन प्लॉटों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान बीज आरक्षण की प्रगति, आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग तथा सहफसली खेती की व्यवस्थाओं का मौके पर जाकर सत्यापन किया गया।

संयुक्त निरीक्षण ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक जंगबहादुरगंज खीरी, अविनाश चन्द्र तिवारी एवं अजबापुर चीनी मिल के महाप्रबंधक हरेंद्र कुमार तिवारी द्वारा किया गया। अधिकारियों ने एसजीके पोर्टल पर आरक्षित बीज की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए शेष प्लॉटों का विवरण शीघ्र अपलोड करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में बताया गया कि गन्ना विकास परिषद जेबीगंज एवं अजबापुर चीनी मिल द्वारा आधार एवं प्राथमिक पौधशालाओं सहित कई प्लॉटों का बीज पूर्व में ही आरक्षित किया जा चुका है। शेष प्लॉटों की फीडिंग तेजी से की जा रही है ताकि बुवाई कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। ग्राम पिपरी अजीज निवासी प्रगतिशील किसान नीरज अवस्थी के खेत पर एधखद्म 11203 प्रजाति के आरक्षित बीज का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही एध 0118 प्रजाति के साथ की गई सहफसली खेती ने अधिकारियों और किसानों का ध्यान आकर्षित किया, जिसे आधुनिक कृषि पद्धति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया।

अधिकारियों ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि विभाग एवं मिल का उद्देश्य गन्ना खेती को पूर्णतः यंत्रीकृत बनाना है। यंत्रीकरण से लागत में कमी आएगी और उत्पादन व आय में वृद्धि होगी। किसानों से उन्नत प्रजातियों को अपनाने तथा आधुनिक कृषि यंत्रों का अधिकाधिक उपयोग करने की अपील की गई। साथ ही बीज वितरण को निर्धारित मूवमेंट प्लान के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए इस अवसर पर मिल गन्ना विकास अधिकारी पंकज सिंह सहित चीनी मिल के अन्य कर्मचारी एवं क्षेत्र के प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला पुलिस ने किया दर्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम मझिगवां में मंगलवार को 38 वर्षीय विवाहिता पप्पी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने गांव के ही निवासी अरुण कुमार के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। उधर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण हैंगिग आया है। मृतका पप्पी के पति श्यामू ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी को गांव के ही अरुण कुमार ने फांसी के फंदे पर लटका कर मार दिया है। जिसको उसकी पुत्री ने घर से भागते हुए देखा था। बताते हैं कि मृतक महिला और आरोपित व्यक्ति की मां के बीच किसी बात को लेकर कुछ दिन पहले विवाद हुआ था। मृतका की शादी तकरीबन 20 वर्ष पहले हुई थी। महिला के दो पुत्रियां और दो पुत्र हैं। एसओ सुनील मलिक ने बताया है कि आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

होली पर मुरादाबाद से होकर गुजरेंगी चार स्पेशल ट्रेन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। 12 स्पेशल ट्रेनों की घोषणा के बाद रेलवे ने होली पर चार और स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है, जो मुरादाबाद होकर गुजरेंगी। यह ट्रेनें गुजरात से पूर्वांचल और उत्तराखंड के लिए चलेंगी। यात्री जनरल टिकट लेकर भी इनमें सफर कर सकेंगे। मंडल में मुरादाबाद, बरेली, ऋषिकेश आदि स्टेशनों पर इन ट्रेनों का ठहराव होगा।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि ट्रेन 04829-04830 जोधपुर-गोरखपुर स्पेशल एक्सप्रेस जोधपुर से पांच से 26 मार्च तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को चलेगी। वापसी में गोरखपुर से 27 मार्च तक हर शुक्रवार को चलेगी। रास्ते में दिल्ली, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, अयोध्या आदि स्टेशनों पर रुकेगी। 04731-04732) श्रीगंगानगर-समस्तीपुर एक्सप्रेस एक से 29 मार्च तक श्रीगंगानगर से प्रत्येक रविवार को चलेगी। वापसी में समस्तीपुर से 31 मार्च तक हर मंगलवार को चलेगी। मुरादाबाद स्टेशन पर सुबह 4:22 मुरादाबाद से गुजरेंगी। 04729-04730 श्रीगंगानगर-गोरखपुर स्पेशल एक्सप्रेस 26 फरवरी से छह मार्च तक हर बृहस्पतिवार को श्रीगंगानगर से चलेगी। वापसी में गोरखपुर से प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। मुरादाबाद में सुबह 4:22 बजे और वापसी में 8:25 बजे रुकेगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि इसी तरह (09609-09610) उदयपुर-योगनगरी ऋषिकेश स्पेशल एक्सप्रेस तीन से 31 मार्च तक हर मंगलवार को उदयपुर से चलेगी। वापसी में योगनगरी ऋषिकेश से हर बुधवार को चलेगी।

छोटी काशी कॉरिडोर निर्माण के 1 वर्ष पूर्ण होने पर 22 फरवरी को भव्य शिवोत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। करोड़ों रुपये की अनुमानित लागत से निर्माणाधीन श्री गोकर्णनाथ मंदिर कॉरिडोर के भूमि पूजन को एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 22 फरवरी 2026 को तीर्थ परिसर में छोटी काशी शिवोत्सवङ्क का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन देवाधिदेव महादेव की कृपा एवं योगी आदित्यनाथ की पहल को समर्पित रहेगा। ज्ञात हो कि पूर्व विधायक अरविंद गिरी का सपना था कि गोला गोकर्णनाथ में भव्य कॉरिडोर का निर्माण हो, जिससे तीर्थ की गरिमा के अनुरूप सुविधाएं विकसित हो सकें। सामाजिक संगठनों, प्रबुद्ध नागरिकों और पत्रकारों द्वारा लगातार उठाई गई मांगों के बाद मुख्यमंत्री द्वारा उपचुनाव के दौरान कॉरिडोर निर्माण की घोषणा की गई थी।

वर्तमान विधायक अमन गिरी के सतत प्रयास एवं प्रशासनिक समन्वय से परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। कॉरिडोर निर्माण से धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलने के साथ स्थानीय व्यापार, रोजगार, आवास, परिवहन एवं सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है।

कार्यक्रम के व्यवस्थापक मोंटी गिरी ने समस्त नगरवासियों से 22 फरवरी को आयोजित शिवोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

शांति भंग करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा न्यायालय

गोला गोकर्णनाथ खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याती गर्ग के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना हैदराबाद पुलिस ने शांति भंग की आशंका में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।अपर पुलिस अधीक्षक खीरी अमित कुमार राय के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में 19 फरवरी 2026 को थाना हैदराबाद पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार अभियुक्तों में प्रदीप कुमार पुत्र रामऔतार (उम्र लगभग 30 वर्ष) एवं प्रेम कुमार पुत्र नत्थू (उम्र लगभग 50 वर्ष) निवासी ग्राम परसेडिया थाना हैदराबाद जिला खीरी तथा दिलीप कुमार पुत्र वीरेंद्र कुमार (उम्र लगभग 22 वर्ष) एवं रवि कुमार पुत्र वीरेंद्र कुमार (उम्र लगभग 28 वर्ष) निवासी ग्राम परसेडिया शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई हेतु न्यायालय गोला के समक्ष प्रस्तुत किया।

वाराणसी के लोहता में 274.31 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी 60 एमएलडी का प्लांट

● केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने दी हरी झंडी, जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने परखी ग्राउंड रिपोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में केंद्र व प्रदेश सरकार गंगा व वरुणा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए लगातार प्रयास में जुटी है। इस क्रम में लोहता में 274.31 करोड़ रुपये की लागत से 60 एमएलडी (मिलियन लीटर पर डे) की क्षमता की सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण के लिए टेंडर की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है।

यहां एसटीपी बनने के साथ ही वरुणा में गिरने वाले 13 नाले को भी टैप किए जाएंगे। नाले टैप होने से मलजल सीधे वरुणा नदी में नहीं जाएगा। वरुणा गंगा की प्रमुख सहायक नदी है। वरुणा आदिकेशव घाट पर आकर गंगा नदी में मिलती है। ऐसे में एसटीपी बनने से गंगा व वरुणा दोनों नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने में कारगर साबित होने की संभावना है।

गुरूवार को यह जानकारी नगर निगम के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी। बताया गया कि जल निगम की गंगा प्रदूषण इकाई ने करीब डेढ़ साल पहले सर्वे कराया था। सर्वे के बाद जलनिगम ने वर्ष 2037 तक शहर की आबादी को ध्यान में रखते हुए 1780.86 करोड़ की लागत से चार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाने का प्रस्ताव केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को भेजा था। इसमें 308 करोड़ की लागत से भगवानपुर में 55 मिलियन लीटर पर डे (एमएलडी) तथा 96 करोड़ की लागत से सूजाबाद में सात एमएलडी की क्षमता का एसटीपी बन रहा है। वहीं, अब लोहता में 60 एमएलडी के एसटीपी का भी मार्ग पूरी तरह से प्रशस्त हो गया है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने गुरुवार को यहां लोहता के ग्राम बेदौली का दौरा किया। केन्द्रीय मंत्री ने लोहता क्षेत्र से दुर्गा नाला के माध्यम से वरुणा नदी में गिर रहे अशोधित सीवेज को रोकने के लिए 60 एमएलडी क्षमता के नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को मंजूरी भी दी। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत स्वीकृत इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्देश्य वरुणा नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से जीवित करना और नगरीय सीमा विस्तार के बाद बढ़ी गंदगी की समस्या को जड़ से खत्म करना है। ?निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने परियोजना की तकनीकी बारीकियों और निर्माण कार्य की वर्तमान प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस प्लांट का निर्माण कार्य पूरी तीव्रता और समन्वय के साथ सुनिश्चित किया जाए ताकि वरुणा और गंगा के प्रदूषण नियंत्रण का लक्ष्य समय पर हासिल हो सके। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित मानकों के अनुरूप ही होना चाहिए। ?बेदौली के साथ ही केंद्रीय मंत्री ने भगवानपुर में नवनिर्मित 55 एमएलडी क्षमता के एसटीपी का भी निरीक्षण किया।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल गायब होने के बाद खातों से 11,200 रुपये निकाले,राजेंद्र कुमार ने दी तहरीर

मैलानी खीरी। थाना मैलानी क्षेत्र के मैलानी निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र दुलारे लाल ने मोबाइल फोन गायब होने के बाद खातों से रुपये निकाले जाने की शिकायत पुलिस से की है। उन्होंने थाना प्रभारी निरीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार 18 फरवरी 2026 की शाम करीब 6 बजे उनका मोबाइल फोन संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। इसके कुछ ही देर बाद उनके खाते से ऑनलाइन माध्यम से 7,000 रुपये तथा दूसरे खाते से 4,000 रुपये निकाल लिए गए। इस प्रकार कुल 11,200 रुपये की आर्थिक क्षति हुई। पीड़ित के अनुसार उनके पास वीवो कंपनी के दो मोबाइल फोन (ठ्ठद्बफ्ध ड्ढ29 व ठ्ठद्बफ्ध ड्ढ91) थे। मोबाइल गायब होने के बाद ही खाते से रकम निकलने की जानकारी मिली। राजेंद्र कुमार ने पुलिस से दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

22 फरवरी लगेगा विशाल नेत्र परीक्षण शिविर

बांदा। तिंदवारी कस्बा स्थित बुंदेलखंड फिलिंग स्टेशन में 22 फरवरी को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक विशाल नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए शिविर की संयोजक नृत्य गुरु श्रद्धा निगम ने बताया है कि श्रीसद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकीकुंड चित्रकूट के तत्वावधान में आयोजित शिविर में मोतियाबिंद के मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन के चित्रकूट ले जाया जाएगा। वहीं अन्य मरीजों को परामर्श व दवाएं वितरित की जाएंगी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया है।

महाविद्यालय परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

बांदा। एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम, द्वितीय व तृतीय इकाई के शिविर में छात्राओं ने श्रमदान करते हुए महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की। संगोष्ठी में पर्यावरण और जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय इकाई के तहत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। सामान्य कार्यक्रम की श्रृंखला में प्राचार्य प्रो.दीपाली गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम अधिकारी प्रथम इकाई डा.सबीहा रहमानी, कार्यक्रम अधिकारी द्वितीय इकाई डा.नीतू सिंह, कार्यक्रम अधिकारी तृतीय इकाई डा.जयंती सिंह के निर्देशन में स्वयंसेवी छात्राओं ने श्रमदान करते हुए महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की। स्वच्छता अभियान के बाद आयोजित संगोष्ठी में पर्यावरण और जल संरक्षण पर चर्चा करते हुए महत्व बताया।

कार और ट्रक में आमने सामने भिडंत में पांच घायल

बांदा। नेशनल हाइवे स्थित नवीन मंडी के पास कार और ट्रक में आमने सामने भिडंत हो गई। हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अन्य घटना में आटो की टक्कर से दिव्यांग घायल हो गया। शहर कोतवाली क्षेत्र के जरैली कोठी निवासी बृजेश (24) पुत्र देवनरायण बुधवार की रात कार से मटौंध जा रहा था। झांसी-मिर्ज़ापुर नेशनल हाइवे स्थित मटौंध थाना क्षेत्र के नवीन मंडी के पास सामने से आ रहे ट्रक से आमने सामने भिडंत हो गई। कार सवार बृजेश के अलावा कालू कुआं निवासी लाली (32) पुत्र रामरतन, झील का पुरवा निवासी शोभित (28) पुत्र मलखान, देहात कोतवाली क्षेत्र के छेहरांव गांव निवासी गोविंद (35) पुत्र अयोध्या और बालकिशन (45) पुत्र चिंतामणी घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को कार से बाहर निकाल कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उधर, दूसरी घटना में गिरंवा थाना क्षेत्र के बड़ोखर बुजुर्ग गांव निवासी दिव्यांग मुकेश (30) पुत्र देवीदीन बुधवार की रात को घर के बाहर खड़ा था। तभी सामने से आ रही आटो ने उसे टक्कर मार दी।

कानपुर में फर्जी डिग्री गिरोह का पर्दाफाश, 9 राज्यों तक फैला नेटवर्क

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। जनपद की किदवई नगर पुलिस ने फर्जी डिग्री के अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि पांच से अधिक आरोपित फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह गिरोह देश के कम से कम नौ राज्यों में सक्रिय था और 14 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों व यूपी बोर्ड के नाम पर फर्जी डिग्री व शैक्षणिक प्रमाणपत्र तैयार कर युवाओं से लाखों-करोड़ों रुपये की ठगी कर रहा था।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने गुरुवार को बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपित 14 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के नाम पर फर्जी डिग्री, मार्कशीट, प्रोविजनल सर्टिफिकेट और माइग्रेशन सर्टिफिकेट तैयार कर रहे थे। इसके अलावा यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की नकली मार्कशीट इतनी सफाई से बनाई जाती थीं कि पहली नजर में असली और नकली में अंतर करना मुश्किल हो जाता था। इन दस्तावेजों का इस्तेमाल नौकरी पाने, प्रमोशन लेने और उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए किया जा रहा था।गिरोह किदवई नगर में 'शैल ग्रुप ऑफ एजुकेशन' के नाम से फर्जी कार्यालय संचालित कर रहा था। यहीं से युवाओं को बिना परीक्षा दिए डिग्री दिलाने का लालच देकर मोटी रकम वसूली जाती थी। गिरोह अत्याधुनिक प्रिंटिंग तकनीक, नकली मोहर, फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर और यूनिवर्सिटी फॉर्मेट का इस्तेमाल कर दस्तावेज तैयार करता था, जिससे ये कागजात कई बार संस्थानों की शुरुआती जांच में भी पास हो जाते थे।

आगे उन्होंने बताया कि अब तक दर्जनों, संभवतः सैकड़ों युवाओं को फर्जी प्रमाणपत्र बेचे जा चुके हैं। प्रारम्भिक जांच में करोड़ों रुपये के अवैध लेन-देन के संकेत मिले हैं। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में नेटवर्क से जुड़े अन्य दलालों और सम्पर्क सूत्रों के नाम सामने आ रहे हैं।

पुलिस उन सभी लोगों की भी पहचान कर रही है, जिन्होंने इन फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया है। जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि यह केवल जालसाजी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था पर संगठित हमला है। हमारी टीमें पूरे नेटवर्क को चिन्हित कर चुकी हैं। फरार आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर इस गिरोह को जड़ से खत्म किया जाएगा।

गिरफ्तार आरोपितों में शैलेंद्र कुमार (निवासी साकेत नगर, किदवई नगर), नागेंद्र (कौशाम्बी), जोगेंद्र (दिल्ली) और अश्वनी कुमार (निवासी शुक्लागंज, गंगाघाट) शामिल हैं। जबकि रवि उर्फ बनी (हैदराबाद), विनीत (गाजियाबाद), शुभम दुबे (छतरपुर), मयंक भारद्वाज (मणिपुर), शेखू उर्फ ताबीज (कानपुर) सहित एक अन्य अज्ञात आरोपित फरार हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। वहीं सीपी ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार की फर्जी डिग्री या प्रमाणपत्र दिलाने वाले दलालों के झांसे में न आएं और ऐसी किसी गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

पत्नी की हत्या में दोषी पति को आजीवन कारावास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार हिमांशु की अदालत ने पत्नी की गला दबाकर हत्या करने के मामले में आरोपित पति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी देवपाल निवासी ग्राम रायपुर, थाना बिल्सी, जनपद बदायूं को भारतीय दंड संहिता की धारा-302 के तहत दोषी पाते हुए उम्रकैद और 10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। जुर्माना अदा न करने पर छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

एडीजीसी क्राइम चवनपाल भाटी और पैरोकार अंकित कुमार ने गुरुवार को बताया कि मामला थाना सेक्टर-63 में दर्ज है। आरोप है कि 2 मार्च 2024 की रात सोम बाजार चोटपुर कॉलोनी स्थित घर में आरोपी ने अपनी पत्नी पूजा की गला दबाकर हत्या कर दी थी। आरोपपत्र के मुताबिक महिला अपने पति और तीन बच्चों एक पुत्र व दो पुत्रियों के साथ रहती थी। विवाह को लगभग 14-15 वर्ष हो चुके थे। मृतका के भाई अनेकलाल ने शिकायत में बताया कि देवपाल मकान बेचना चाहता था। जबकि बहन इसका विरोध कर रही थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। आरोपी ने मकान में रह रहे किरायेदारों को भी खाली करने के लिए दबाव बनाया था। जिसका उसकी बहन ने विरोध किया था। इसके अलावा देवपाल अपनी पत्नी के चरित्र पर भी संदेह करता था। जिससे घरेलू कलह बढ़ती जा रही थी। शिकायत के अनुसार घटना से करीब दो माह पहले आरोपी अपने बच्चों को बदायूं स्थित गांव भेज चुका था। घटना के समय पूजा घर में अकेली थी। रात में आरोपी ने मौका पाकर पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतका के गले पर दबाव के निशान पाए गए। मामले में 8 जुलाई 2024 को आरोपी के विरुद्ध आरोप तय किए गए थे। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपित को सजा सुनाई है।

प्रेमी संग मिलकर महिला ने कराई पति की हत्या, गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। थाना दादरी पुलिस में अपने प्रेमी संग मिलकर पति की हत्या करवाने वाली महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल, मोटरसाइकिल, देशी तमंचा आदि बरामद किया है।

अपर पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय सुधीर कुमार ने गुरुवार को बताया कि दादरी के कठैहरा रोड पर के पास तीन दिन पूर्व एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि मृतक का नाम गोविंद रावल निवासी ग्राम थोड़ी बछेड़ा है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने इस घटना का अनावरण करते हुए बृहस्पतिवार को पुलिस मुठभेड़ के दौरान रोहित राहुल पुत्र शैलेंद्र, नफीस पुत्र रफीक को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली नफीस के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि उनके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल, अवैध तमंचा आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि इस हत्याकांड में धर्मेंद्र रावल पुत्र सुरेंद्र रावल व प्रीति देवी पत्नी गोविंद रावल भी शामिल हैं।

पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि मृतक गोविंद रावल आरोपियों के गांव का ही रहने वाला है। वह अपनी पत्नी प्रीति देवी के साथ शराब पीकर मारपीट करता था। लगभग 2 वर्ष पूर्व रोहित के प्रीती के साथ अवैध संबंध हो गए। कुछ दिन पूर्व प्रीति व रोहित ने मिलकर गोविंद की हत्या करने का योजना बनाई। उन्होंने बताया कि 12 फरवरी को रोहित गोविंद को उसके घर से बुलाकर अपने मित्र धर्मेंद्र की मोटरसाइकिल पर बैठाकर दादरी ले आया। पूर्व योजना के तहत अभियुक्त रोहित ने दोस्त नफीस के साथ मिलकर उसकी हत्या की।

कार्यालय ग्राम पंचायत-अजान विकास खण्ड कुम्भी गोला (खीरी)

पत्रांक- /टेण्डर/ 2025-26 दिनांक -19/02/2026

अतिअल्पकालीन निविदा सूचना

मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत-अजान में निम्नलिखित कार्यों के निर्माण कार्य पर सामग्री (यथा ईंट प्रथम श्रेणी रोड़ा सीमेन्ट मौरंग सरिया गिट्टी इण्टरलाक ईंट बालू आदि) की आवश्यकता है। इच्छुक फर्म दिनांक-20.02.2026 से 26.02.2026 तक अपना टेण्डर ग्राम पंचायत अजान में समय 2.00 बजे तक उपलब्ध करा सकते है। दिनांक- 26.02.2026 को शाम 3.00 बजे ग्राम पंचायत अजान में समिति के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर के सम्बन्ध में जानकारी प्रधान / ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अजान से किसी भी कार्य दिवस में की जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	स्वीकृत लम्बाई	स्वीकृत धनराशि
1	अजान में दिनेश वर्मा के मकान सवे सुशील यादव के मकान के आगे तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	113 मीटर	517374.00
2	अजान में सर्वेश वर्मा के मकान से रामनरेश के मकान तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	86 मीटर	340162.00

विपिन कुमार यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत अजान
विकास खंड कुम्भी (गोला) खीरी

शैल्वी बाजपेयी
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत अजान
विकास खंड कुम्भी (गोला) खीरी

अपने निराशाजनक अभियान का सकारात्मक अंत करना चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी

पाल्लेकेले (श्रीलंका)। अपने ग्रुप के दो महत्वपूर्ण मैच में हार से निराश ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को यहां ओमान की कमजोर टीम के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके टी20 विश्व कप में अपनी निराशाजनक अभियान का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगा। सीमित ओवरों के क्रिकेट में छह वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम मंगलवार को कैंडी में जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद अगले दौर में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गई। इस मैच के रद्द हो जाने से जिम्बाब्वे को एक महत्वपूर्ण अंक मिला जिससे उसने श्रीलंका के साथ ग्रुप बी से सुपर आठ में प्रवेश कर लिया। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने से अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ बल्लेबाजी में कुछ दम दिखाया लेकिन उसके गेंदबाज फिर से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। उसे इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ उलटफेर का शिकार होना पड़ा था। यही कारण है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम के स्वदेश लौटने पर उसके प्रदर्शन की गहन समीक्षा करने का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया के इस निराशाजनक प्रदर्शन में कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के अलावा उसके खराब खेल और चयन को लेकर कुछ फैसलों का भी योगदान रहा। यह 2009 के बाद पहला अवसर है जबकि ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड और मिशेल स्टार्क की स्टार तेज गेंदबाजी तिकड़ी की अनुपस्थिति के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में प्रवेश किया था, लेकिन जिम्बाब्वे से हार के बाद चीजें तेजी से बिगड़ती चली गईं। ऑस्ट्रेलिया की टीम अब स्वदेश लौटने से पहले जीत दर्ज करना चाहेगी और इसके बाद 2028 में अपने घरेलू मैदान पर होने वाले टी20 विश्व कप के लिए आगे की रणनीति तैयार करेगी विशेषकर तब जबकि उसके कई प्रमुख खिलाड़ी 30 वर्ष से अधिक उम्र के हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम अपने निराशाजनक अभियान के बावजूद इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक खेले गए तीन मैचों में से केवल एक ही मैच जीता है। उसने आयरलैंड को 67 रन से हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका में 2024 में खेले गए विश्व कप में ओमान को 39 रन से हराया था। दोनों देशों की वर्तमान टीम में शामिल कई खिलाड़ी उसे मैच का हिस्सा थे। ऑस्ट्रेलिया 2023 में वनडे विश्व कप में खिताब जीतने के बाद से आईसीसी टूर्नामेंटों में उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए संघर्ष कर रहा है।

दबाव में था पर इन हालात में बल्लेबाजी करना पसंद है: दुबे

एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप ए मैच में नीदरलैंड के खिलाफ भारत की जीत के बाद कहा कि वह बल्लेबाजी करते हुए दबाव में थे लेकिन उन्हें इस तरह के हालात में बल्लेबाजी करना पसंद है।

भारत के 194 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की टीम चक्रवर्ती (14 रन पर तीन विकेट) और शिवम दुबे (35 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सात विकेट पर 176 रन ही बना सकी। दुबे ने इससे पहले अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 31 गेंद में छह छक्कों और चार चौकों से 66 रन की पारी खेलने के अलावा हार्दिक पंड्या (21 गेंद में 30 रन, तीन छक्के) के साथ पांचवें विकेट के लिए 35 गेंद में 76 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने छह विकेट पर 193 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव (34) और तिलक वर्मा (31) ने भी उपयोगी पारियां खेली। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए दुबे ने भारत की 17 रन की जीत के बाद कहा, ''स्थिति थोड़ी मुश्किल थी लेकिन यह ऐसी स्थिति है जिसमें मुझे बल्लेबाजी करना पसंद है। मैं लुत्फ उठा रहा था। हालांकि मुझ पर दबाव था। उन्होंने कहा, ''गेंद स्किड हो रही थी और नीची रह रही थी। एक गेंद काफी स्पिन भी हुई। मुझे पता था कि मैं बड़े शॉट खेल सकता हूं लेकिन स्थिति की मांग शुरुआत में कुछ अलग थी। मैं बाउंड्री मारने की कोशिश करता हूं और छक्के मारने में मजा आता है। मुझे पता है कि सभी गेंदबाज मुझे छकाने की कोशिश करेंगे। धीमी गेंद डालेंगे इसलिए मैंने खुद को तैयार किया।

दुबे ने कहा कि वह अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी पर भी काफी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जैसा कि कप्तान और कोच ने मेरे से कहा था कि मुझे स्ट्राइक ऊंचा रखना है। लेकिन यह स्थिति पर भी निर्भर करता है। गेंदबाजी में कड़ी मेहनत कर रहा हूं। नतीजे भी आ रहे हैं। कभी-कभी आपके खिलाफ बड़े शॉट खेले जाएंगे लेकिन आप विकेट भी लेंगे।

गावस्कर की अभिषेक को सलाह, पारी के शुरू में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचें

एजेंसी

अहमदाबाद। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि अभिषेक शर्मा मौजूदा टी20 विश्व कप में उम्मीदों के दबाव से जूझ रहे हैं और वह चाहते हैं कि यह आक्रामक सलामी बल्लेबाज अपनी पारी की शुरुआत में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचे। अभिषेक ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह खाता खोलने में नाकाम रहे हैं। अमेरिका, पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ वह शुरू में ही आउट हो गए थे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस से कहा,''अभिषेक शर्मा बहुत ही अच्छे इंसान हैं, लेकिन उन पर उम्मीदों का बोझ साफ दिख रहा है। अगर उन्होंने अमेरिका के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती तो बात कुछ और होती। अब बड़े छक्के लगाने वाला शीर्ष बल्लेबाज होने का दबाव उन पर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा, ''अपनी बल्लेबाजी क्षमता को देखते हुए उन्हें क्रीज पर समय बिताना होगा। उन्हें अपनी पारी की पहली ही गेंद पर चौका या छक्का लगाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर बड़े शॉट खेलने का मन करे तो ठीक है। लेकिन उन्हें 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। गावस्कर ने कहा कि इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज को अपनी पारी की शुरुआत में समझदारी से क्रिकेट खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''एक रन लो और अपना खाता खोलो। चार डॉट बॉल भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में उनकी भरपाई कर सकता है। उसे शुरुआत में समझदारी से खेलना होगा। एक-दो ओवर क्रीज पर पांव जमाने में बिताओ, फिर अपना स्वाभाविक खेल खेलो। भारत ने बुधवार को शिवम दुबे की 31 गेंदों पर खेली गई 66 रन की पारी और वरुण चक्रवर्ती के 14 रन देकर तीन विकेट की बदौलत नीदरलैंड को 17 रन से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। गावस्कर ने दुबे की जमकर तारीफ की और कहा कि बाएं हाथ के इस ऑलराउंडर को अपने खेल में सिर्फ एक शॉट जोड़ने की जरूरत है, जिससे वह बेहद खतरनाक बल्लेबाज बन जाएगा। उन्होंने कहा, ''शिवम दुबे को गेंदबाजी करना बहुत मुश्किल है क्योंकि उनके पास कई तरह के शॉट खेलने की क्षमता है। आप उन्हें ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी कर सकते हैं, लेकिन फिर भी उनमें लॉन्ग ऑन के ऊपर से शॉट लगाने की क्षमता है। वह सिर्फ मिड-विकेट और स्क्वायर-लेग के ऊपर से शॉट लगाने की कोशिश नहीं करते। वह लॉन्ग ऑफ के ऊपर से भी शॉट लगा सकते हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''अगर वह एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड आउट शॉट खेलने पर कड़ी मेहनत करता है तो वह एक बेहद खतरनाक बल्लेबाज बन जाएगा। तब वह गेंद को मैदान के किसी भी हिस्से में मार सकता है।''

होप और जोसेफ के कमाल से वेस्टइंडीज की इटली पर आसान जीत

एजेंसी

कोलकाता। कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया। वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिंबॉब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। ग्रुप सी से सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम इंग्लैंड है। होप की पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा रोस्टन चेज (25 गेंद पर 24), शेरफ़ेन रदरफोर्ड (15 गेंद पर नाबाद 24) और मैथ्यू फोर्डे (आठ गेंद पर नाबाद 16) ही कुछ उपयोगी योगदान दे पाये। पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल थी लेकिन इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। इटली की तरफ से बेन मनेंटी (37 रन देकर दो) और कृशान कालुगामगे (25 रन देकर दो) ने दो दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज को अंतिम ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बनाने दिए। अगर ग्रांट स्टीवर्ट ने 19वें ओवर में 19 रन नहीं लुटाए होते तो वेस्टइंडीज की स्थिति और भी खराब हो सकती थी। इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पावर प्ले में तीन विकेट पर 7 रन बनाए। एंथनी मोस्का (19) ने अकील हुसैन की गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला लेकिन मैथ्यू फोर्डे (19 रन देकर तीन विकेट) ने अपने पहले ओवर में ही जस्टिन मोस्का (02) को आउट कर दिया। एंथनी मोस्का ने हुसैन पर दो छक्के लगाए लेकिन इस स्पिनर ने इसी ओवर में उन्हें पवेलियन भेज दिया। फोर्डे ने इसके बाद सैयद नकवी (06) को आउट करके इटली को संकट में डाल दिया। जेजे स्मट्स (27 गेंद पर 24) ने क्रीज पर बने रहने को प्राथमिकता दी लेकिन कप्तान हैरी मैनेंटी (08) के आउट होने से उन पर दबाव बन गया। स्मट्स ने जोसेफ पर लगातार दो चौके लगाने के बाद गुडाकेश मोती (24 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर स्वीप करके बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर आसान कैच दिया। इससे इटली का स्कोर पांच विकेट पर 78 रन हो गया। बेन मैनेंटी ने जोसेफ पर दो चौके लगाकर इटली का स्कोर तिहरे अंक में पहुंचाया लेकिन इस तेज गेंदबाज ने इसी ओवर में ग्रांट स्टीवर्ट (12) को आउट करके साझेदारी नहीं बनने दी। बेन मैनेंटी ने मोती पर छक्का लगाया लेकिन अगली गेंद पर उनके आउट हो जाने से इटली की संभावना समाप्त हो गई। इससे पहले होप ने सहजता से बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन रोस्टन चेज़ की धीमी पारी ने उनकी लय को बिगाड़ दिया। इसका वेस्टइंडीज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। होप ने भले ही कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन चेज स्ट्राइक रोटेट करने के लिए संघर्ष करते हुए दिखे और डीप स्क्वायर लेग में कैच देकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोवमैन पॉवेल (09) भी जल्दी आउट हो गए। इस तरह से अनुभवी ऑफ स्पिनर मैनेंटी और श्रीलंका मूल के लेग स्पिनर कालुगामगे ने इटली के पक्ष में पासा पलट दिया। मैनेंटी ने लगातार ओवरों में विकेट लिए जिसमें पॉवेल का अहम विकेट भी शामिल था। जबकि कालुगामगे ने होप को अंदर आती गेंद पर बोल्ड किया। उन्होंने इसके बाद जेसन होल्डर (09) को भी आउट करके वेस्टइंडीज को संकट में डाल दिया।

टाटा समूह-ओपनएआई साझेदारी, 100 मेगावाट एआई अवसंरचना विकसित होगी

नयी दिल्ली। टाटा समूह और ओपनएआई ने भारत में 100 मेगावाट (एमडब्ल्यू) एआई अवसंरचना विकसित करने की योजना पर आधारित एक रणनीतिक साझेदारी की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसे आगे एक गीगावाट (जीडब्ल्यू) तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही उद्यम स्तर पर एआई की स्वीकार्यता में तेजी लाने, उद्योग-विशिष्ट समाधान विकसित करने और भारतीय युवाओं के लिए एआई कौशल विस्तार के संयुक्त प्रयास भी किए जाएंगे । बहुवर्षीय समझौते के तहत टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की 'हाइपरवॉल्ट' इकाई एआई-सक्षम, हरित ऊर्जा आधारित अवसंरचना विकसित करेगी जिसे अगली पीढ़ी के एआई कार्यभार को समर्थन देने के लिए तैयार किया गया है। भारतीय कंपनी ने बयान में कहा, '' प्रारंभिक चरण में टीसीएस 100 मेगावाट क्षमता वाली एआई अवसंरचना विकसित करेगा, जिसे एक गीगावाट तक बढ़ाने का विकल्प होगा। यह अवसंरचना अगली पीढ़ी के एआई कार्यभार को संचालित करेगी और भारत को वैश्विक एआई केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। '' इस सहयोग के तहत टाटा समूह के कई हजार कर्मचारियों को उत्पादकता और नवाचार बढ़ाने के लिए एंटरप्राइज चैटजीपीटी तक पहुंच मिलेगी, जबकि टीसीएस सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग परिणामों को बेहतर बनाने के लिए ओपनएआई के कोडेक्स का उपयोग करेगा। कंपनियां संयुक्त रूप से उद्योग-विशिष्ट एजेंटिक एआई समाधान विकसित करने की योजना बना रही हैं, जिसमें ओपनएआई के उन्नत एआई मंचों को टीसीएस के क्षेत्रीय ज्ञान और विशेषज्ञता के साथ जोड़ा जाएगा। संयुक्त बाजार रणनीति के तहत टीसीएस भारतीय और वैश्विक उद्यमों के लिए ओपनएआई के एआई समाधानों को लागू, एकीकृत और विस्तारित करेगी जिससे संगठन-व्यापी एआई रूपांतरण को समर्थन मिलेगा। उल्लेखनीय है कि टीसीएस ने पहले डेटा केंद्र कारोबार के लिए टीपीजी से एक अरब डॉलर का निवेश हासिल किया था और कहा था कि निजी इक्विटी कंपनी इस कारोबार में 27.5 से 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगी। ओपनएआई के साथ यह साझेदारी नयी दिल्ली में जारी 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान घोषित की गई है। इससे पहले इन्फोसिस ने उद्यम कृत्रिम मेधा समाधान मुहैया कराने के लिए एंथ्रोपिक के साथ साझेदारी की घोषणा की थी। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने कहा, कि हमारी साझेदारी के माध्यम से हम मिलकर वह अवसंरचना, कौशल और स्थानीय साझेदारियां तैयार कर रहे हैं, जिनकी जरूरत भारत के साथ, भारत के लिए और भारत में कृत्रिम मेधा (एआई) निर्माण के लिए है ताकि देश भर में अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही कृत्रिम मेधा अपनाने में अग्रणी है और अपनी प्रतिभा, महत्वाकांक्षा तथा मजबूत सरकारी समर्थन के कारण इसके भविष्य को आकार देने की अच्छी स्थिति में है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने इसे दोनों इकाइयों के बीच गहन सहयोग का जिक्र करते हुए कहा कि यह भारत के वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा में अग्रणी बनने के दृष्टिकोण की दिशा में यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह ओपनएआई और टीसीएस के लिए उद्योगों को रूपांतरित करने का अनूठा अवसर है। हम मिलकर भारत के युवाओं को कौशल देंगे और उन्हें कृत्रिम मेधा युग में सफल होने के लिए सशक्त बनाएंगे।

सुपर आठ से पहले भारत के लिए शीर्ष क्रम की अनिश्चितता और फिंगर स्पिनर के सामने संघर्ष चिंता विषय

एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने इस बात पर सहमति जताई कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों वाले शीर्ष क्रम के लिए विपक्षी टीमों का सही रणनीति बनाना और फिंगर (उंगलियों के) स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों का संघर्ष टी20 विश्व कप के सुपर आठ में भारत के सामने दो अहम मुद्दे होंगे। डोएशे ने नीदरलैंड के खिलाफ अंतिम लीग मैच में भारत की जीत के बाद पत्रकारों से कहा कि खिताब के प्रबल दावेदार ने अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेला है जिसमें उसका पूरी तरह से दबदबा रहा हो। भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और तिलक वर्मा शामिल हैं। यह तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और डोएशे ने स्वीकार किया कि इससे विपक्षी टीमों के लिए उनके खिलाफ रणनीति बनाना आसान हो गया है। प्रतिद्वंद्वी टीमें अभिषेक शर्मा सहित शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए हैं जबकि कुछ समय पहले तक वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने बुधवार को पावरप्ले में तीन ओवर फेंके और अभिषेक और किशन को आउट किया। डोएशे का मानना है कि भारत को उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत है। घरेलू टीम को दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। उन्होंने कहा, ''इससे टीमों को भारत के खिलाफ रणनीति बनाने में आसानी हुई है। हमारे पास शीर्ष तीन में ज्यादा विकल्प नहीं हैं। हमारे पास संजू सैमसन बेंच पर बैठे हैं और आगामी मैचों को देखते हुए अगर हम उंगलियों के स्पिनरों को देखें तो इस मामले में हमारा सामना न्यूजीलैंड से होगा। डोएशे ने कहा, ''हमारे पास कुछ ऐसे गेंदबाज हैं जो उंगलियों से स्पिन गेंदबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के पास भी अगर हम मार्करम को शामिल करें, तो इस तरह के गेंदबाज हैं। लेकिन कुल मिलाकर हमें लगता है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और हम टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों से काम चला लेंगे। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने दिल्ली में अपनी राउंड आर्म ऑफ स्पिन गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को चकमा दिया था, जिसके बाद पाकिस्तान के उस्मान कादिर, सलमान आगा और साइम अयूब कोलंबो में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में कामयाब रहे।

सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति बदल देगा एआई : ऑल्टमैन

नयी दिल्ली। ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति बदल देगी। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियों के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है जबकि कई अन्य कंपनियां अपनी अलग मूल्य पेशकश (वैल्यू प्रपोज़िशन) के कारण इससे लाभ उठा सकेंगी। ऑल्टमैन ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि एआई के कारण प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए बहुत कुछ बदलने वाला है, क्योंकि 'कोडिंग' अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और तेज हो गई है। उन्होंने कहा, लेकिन लोग जरूरत से ज्यादा सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रतिक्रियाएं देते हैं। यह पूरी तरह सच है कि अब सॉफ्टवेयर बनाना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है और मुझे यकीन है कि यह कुछ सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए काफी बुरा साबित होगा। हालांकि, मेरा मानना है कि कई सॉफ्टवेयर कंपनियों की मूल्य पेशकश इससे काफी अलग है।

अनिल अंबानी का शीर्ष अदालत में हलफनामा, बिना इजाजत देश नहीं छोड़ूंगा'

एजेंसी

नयी दिल्ली। रिलायंस (एडीएजी) के चेयरमैन अनिल अंबानी ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा देकर कहा है कि वह बिना पूर्व-अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे और एजेंसियों के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे। यह मामला अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) द्वारा कथित रूप से 40,000 करोड़ रुपये की बैंकिंग एवं कॉरपोरेट धोखाधड़ी से जुड़ा है। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में अंबानी ने कहा कि उनका देश छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और न ही उनकी कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोई मंशा है। अंबानी ने कहा, '' मैं शपथ लेकर कहता हूं कि मैंने जुलाई, 2025 से मौजूदा जांच शुरू होने के बाद से भारत नहीं छोड़ा है और फिलहाल देश से बाहर जाने का मेरा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने साथ ही वादा किया कि यदि उन्हें किसी काम से विदेश जाना पड़ा तो वह उससे पहले अदालत की अनुमति लेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं पूरी ईमानदारी से जांच में एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रहा हूं और आगे भी ऐसा करना जारी रखूंगा। अंबानी ने यह हलफनामा पूर्व नौकरशाह ई ए एस सरमा की उस अर्जी के जवाब में दिया है, जिसमें एडीएजी, अनिल अंबानी और समूह की कंपनियों से जुड़े कथित बड़े बैंकिंग और कॉरपोरेट घोटाले की निष्पक्ष, तुरंत और बिना किसी भेदभाव के जांच की अपील की गई है। हलफनामे में कहा गया कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय ने 26 फरवरी, 2026 को पेश होने के लिए बुलाया है। उन्होंने उस तारीख को पेश होने और जांच में शामिल होने का वादा किया है। अंबानी ने कहा, ''मैं अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करने का वादा करता हूं, साथ ही प्रक्रिया में स्पष्टता सुनिश्चित करूंगा और याचिकाकर्ता द्वारा तथ्यों को चुनिंदा तरीके से पेश करने को रोकूंगा।

श्रीलंका में नए वाहनों का पंजीकरण बढ़ा, भारत से आयात में 15 प्रतिशत उछाल

कोलंबो। श्रीलंका में जनवरी में नए वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 55,000 इकाई हो गया, जो दिसंबर में 48,000 इकाई था। इस दौरान भारत से आयात में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। विश्लेषक संस्था जेबी सिक्योरिटीज ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत से आयात जनवरी में बढ़कर 30,766 इकाई हो गया जो दिसंबर में 26,631 इकाई था। जेबी सिक्योरिटीज ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, नए पंजीकरण में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 24,163 वाहनों के साथ सबसे अधिक रही। इसके बाद तिपहिया वाहन (3,441 इकाई), एसयूवी (2,100 इकाई) और ट्रक (237 इकाई) का स्थान रहे। कारों का पंजीकरण मासिक आधार पर घटकर जनवरी में 4,648 इकाई रह गया, जो दिसंबर में 5,007 इकाई था। तिपहिया वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 3,448 इकाई हो गया जो पिछले महीने 3,007 इकाई था। भारत की बजाज 2,852 इकाइयों के साथ बाजार में अग्रणी बनी रही। इसके बाद टीवीएस 400 इकाइयों के साथ दूसरे स्थान पर रही। इस दौरान भारत से आयात में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन अब भी सीमित रहे, जिनका पंजीकरण मात्र 29 इकाई रहा। चीन की बीवाईडी कार का पंजीकरण जनवरी में घटकर 758 इकाई रह गया, जो दिसंबर में 850 इकाई था। श्रीलंका द्वारा 2025 की शुरुआत में कार आयात प्रतिबंध हटाने के बाद बीवाईडी शीर्ष विक्रेता बन गई थी।

रिलायंस के साथ जियो एआई में 10 लाख करोड़ रुपये का करेगा निवेश: मुकेश अंबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने गुरुवार को ऐलान किया कि उनका समूह कृत्रिम मेधा (एआई) में सात साल के भीतर 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। अंबानी ने कहा कि दुनिया एआई को लेकर दोराहे पर खड़ी है, जहां एक रास्ता दुर्लभ, महंगी एआईऔर नियंत्रित डेटा की ओर ले जाता है, जबकि दूसरा रास्ता सस्ती एवं सुलभ एआई सुनिश्चित करता है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इंपैक्ट समिट' में अपने संबोधन में मुकेश अंबानी ने कहा कि एआई का सर्वश्रेष्ठ रूप अभी आना बाकी है। उन्होंने कहा कि एआई में अपार समृद्धि का युग लाने की क्षमता है। ग्लोबल एआई इंपैक्ट समिट भारत के टेक इतिहास में एक अहम पल है। एक ऐसा पल जब भारत एआई को अपने विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए ड्राइविंग फोर्स में से एक बनाने का वादा करता है और 2047 तक पूरी तरह से विकसित देश बनने का सपना है। मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो, रिलायंस के साथ मिलकर इस साल से अगले सात वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कोई सट्टा निवेश नहीं है। यह मूल्य वृद्धि के लिए नहीं है। यह धैर्यपूर्ण, अनुशासित राष्ट्र निर्माण में लगाई जा रही पूंजी है। उन्होंने कहा कि एआई में सबसे बड़ी बाधा प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि 'कंप्यूटिंग' की उच्च लागत है। इसमें गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जियो ने भारत को इंटरनेट युग से जोड़ा और अब यह इसे बुद्धिमता के युग से जोड़ेगी। मुकेश अंबानी ने कहा कि हम हर नागरिक, हर क्षेत्र एवं सामाजिक विकास के हर पहलू तक बुद्धिमता (एआई) पहुंचाएंगे। जियो यह सब उसी विश्वसनीयता, व्यापकता और बेहद किफायती कीमत के साथ करेगा, जिससे उसने संपर्क क्षेत्र (मोबाइल डेटा) में क्रांति ला दी थी। अंबानी ने कहा कि हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिट के गाइड, फिलॉसफर और लीडर हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री अश्विनी वैष्णव और उनकी शानदार टीम भारत की महत्वाकांक्षा के हिसाब से इस समिट को इतने बड़े पैमाने पर ऑर्गनाइज करने के लिए पूरी तारीफ़ के हकदार हैं। अंबानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का एआई पावर्ड विकसित भारत का विजन भी विकसित वैश्विक दक्षिण के लिए एक खाका है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं 23 से 27 फरवरी तक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। वेद पढ़ने वाले छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं 23 फरवरी से शुरू होकर 27 फरवरी तक होंगी। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड उज्जैन ने प्रयागराज मण्डल के लिए परीक्षा केन्द्र क्रमांक 80 झूंसी स्थित श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय को बनाया है। इस परीक्षा केंद्र पर प्रयागराज मण्डल के करीब 325 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इसमें अनुदानित वेद पाठशाला-इकाई परीक्षार्थियों की संख्या 294 है और अनुदानरहित वाह्य परीक्षा प्रणाली के अन्तर्गत 31 छात्र शामिल हैं। वेद को मुख्य विषय के रूप में पढ़ने वाले इन परीक्षार्थियों की साक्षात मौखिक परीक्षा वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा चयनित वेदाध्यापकों द्वारा सम्पन्न होगी। आधुनिक विषयों में संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विषय कम्प्यूटर, वैदिक साहित्य का इतिहास,भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा,विज्ञान,कौशल विकास 3.0 की लिखित परीक्षा होगी। प्रयागराज केन्द्र पर प्रयागराज के समस्त विद्यालयों समेत प्रतापगढ़,फतेहपुर आदि जिलों के छात्र भी परीक्षा में प्रतिभाग कर रहे हैं। महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान ने केन्द्र व्यवस्थापक सामवेदाचार्य एवं प्राचार्य स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय ब्रजमोहन पाण्डेय को नियुक्त किया है। केंद्र व्यवस्थापक ब्रजमोहन पांडेय ने बताया कि महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षा बोर्ड से संचालित वेद भूषण एवं वेद विभूषण के प्रथम,द्वितीय,तृतीय, चतुर्थ,पंचम एवं षष्ठ वर्ष की लिखित एवं मौखिक परीक्षा 23 से 27 फरवरी तक होगी। लिखित परीक्षा पहली पाली सुबह 8 बजे से 11 बजे तक होगी।? अपरान्ह 11 से 1 बजे तक वेद विषय की मौखिक परिक्षा होगी, दूसरी पाली में वेद की मौखिक परीक्षा दोपहर 2 बजे से सायं 7 बजे शाम तक होगी। जबकि वेद विषय ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की मौखिक परीक्षा अलग-अलग समयानुसार परीक्षकों के पैनल के सामने कराई जायेगी। इसमें कंठस्थीकरण, स्वर संचालन और उच्चारण विधाओं का परीक्षण होगा। केंद्र व्यवस्थापक ने बताया कि पूरे देश में करीब 87 परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं। वहीं प्रयागराज मण्डल में एक मात्र केंद्र इस वेद पाठशाला को बनाया गया है। हमारे केंद्र पर सीसीटीवी की निगरानी में सुचारु परीक्षा सम्पन्न कराने की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। नकल रोकने और अनुचित साधनों का प्रयोग रोकने की पुख्ता व्यवस्था की गई है।

एमबीए के विद्यार्थियों को सर गंगा राम हस्पिटल में व्यावहारिक अनुभव

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन एवं शोध संकाय के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग द्वारा एमबीए (अस्पताल प्रशासन) के विद्यार्थियों के लिए नई दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अस्पताल प्रबंधन प्रणाली तथा वास्तविक समय की स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का स्वागत डॉ. प्रीनीति कौर एवं डॉ. हिमांशु ने किया, जो एमबीबीएस उपाधि धारक होने के साथ अस्पताल प्रशासन में परास्नातक डिग्री प्राप्त हैं। उन्होंने एक संवादात्मक परिचय सत्र आयोजित किया, जिसके पश्चात विद्यार्थियों को अस्पताल का विस्तृत भ्रमण कराया गया।विद्यार्थियों ने बहु-विशेषज्ञता देखभाल अस्पताल की संगठनात्मक संरचना का अवलोकन किया तथा यह समझा कि विभिन्न विभाग किस प्रकार समन्वित रूप से कार्य करते हुए प्रभावी और रोगी-केंद्रित सेवाएँ प्रदान करते हैं। उन्हें उन्नत अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) और डिजिटल अभिलेख प्रबंधन पद्धतियों से भी परिचित कराया गया, जिससे सटीकता, दक्षता और एकीकृत रोगी आँकड़ा प्रणाली बनाए रखने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका स्पष्ट हुई। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को रोगी प्रबंधन, बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) एवं आंतरिक रोगी विभाग (आईपीडी) के समन्वय की जानकारी दी गई। गुणवत्ता आश्वासन तथा अस्पतालों एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के मानकों पर चर्चा ने स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्टता और रोगी सुरक्षा बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. सलमा अहमद ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में सत्याग्रह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। मनरेगा बचाने सहित विभिन्न मामलों को लेकर बीते मंगलवार को लखनऊ में विधान भवन का घेराव करने जा रहे कांग्रेस के नेताओं और पदाधिकारियों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर सियासत उबलने लगी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गुरूवार को पूरे प्रदेश में आंदोलन के क्रम में वाराणसी में भी कार्यकर्ताओं ने मैदागिन टाउनहाल में गांधी प्रतिमा के समक्ष सत्याग्रह (धरना)पर बैठे। सत्याग्रह के दौरान पार्टी के स्थानीय जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल और महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि लखनऊ में पार्टी के कार्यकर्ताओं के ऊपर हुई लाठीचार्ज के खिलाफ कार्यकर्ता सत्याग्रह पर बैठे है। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि लखनऊ में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सहित कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिसमें कई नेता और कार्यकर्ता घायल हो गए। आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए प्रदेश भर के अलग-अलग जिलों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी लखनऊ पहुंचे। हालांकि, तमाम जिलों में नेताओं को पुलिस ने एहतियातन नजरबंद भी कर लिया था। यह कार्रवाई सरकार के इशारे पर की गई। इस घटना के बाद से पार्टी कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। प्रदेश भर में इसके खिलाफ विरोध दर्ज कराया जा रहा है। केन्द्र और प्रदेश सरकार को निशाने पर लेकर महानगर अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार सबको है और शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है, सरकार तानाशाही पर उतर आई है।

श्रीलंका से बौद्ध धर्म अनुयायियों का समूह पहुंचा सारनाथ के चौखंडी स्तूप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। श्रीलंका से बौद्ध धर्म अनुयायियों का एक बड़ा समूह गुरुवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी के सारनाथ में स्थित चौखंडी स्तूप के दर्शनार्थ पहुंचा है। चौखंडी स्तूप में श्रीलंका के समूह के सदस्यों ने प्रार्थना किया और स्तूप की परिक्रमा लगाई। श्रीलंका से समूह के सारनाथ आए धर्म गुरु संत भंते और उनके सहयोगियों ने कहा कि श्रीलंका से भारत में बौद्ध धर्म की धार्मिक यात्रा पर आज उन्होंने चौखंडी स्तूप का दर्शन किया है। इसी तरह हम सब मध्य प्रदेश के सांची, उत्तर प्रदेश में कुशीनगर, बिहार में नालंदा में दर्शन करेंगे। इसके बाद समूह नई दिल्ली पहुंचेगा और वहीं से श्रीलंका के लिए वापस रवाना होगा। उन्होंने बताया कि सारनाथ में उपदेश स्थल और मंदिरों में भी दर्शन करेंगे। सारनाथ क्षेत्र बेहद प्राकृतिक और स्वच्छता वाला क्षेत्र है।

वाराणसी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान शुरू, तीन राज्यों के भाजपा नेतागण शामिल

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में सारनाथ स्थित केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के कमलशील भवन में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण में तीन राज्यों से भाजपा के करीब दो सौ पदाधिकारी एवं नेतागण पहुंचे हैं। प्रशिक्षण में पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के प्रतिनिधि उपस्थित हैं। कार्यशाला में भाजपा संगठन को मजबूत करने पर पूरे दिन विषय बिंदु पर प्रशिक्षण होगा। कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक कौशल, रणनीति निर्माण और राजनीतिक प्रबंधन में दक्ष बनाना है। भाजपा के प्रशिक्षण में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राज कुमार चाहर, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश, सोशल मीडिया प्रदेश प्रभारी हर्ष चतुर्वेदी, साध्वी निरंजन सहित कई प्रमुख चेहरे उपस्थित हैं।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

बरेली में कैंट बोर्ड की पहल : अधिकारी 'वोकल फॉर लोकल' के लिए कुम्हार के घर पहुंचे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली में स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक कारीगरों को प्रोत्साहन देने की दिशा में गुरुवार को बरेली कैंटोनमेंट बोर्ड की ओर से सराहनीय पहल की गई। बोर्ड की टीम ने शहर के एक कुम्हार परिवार के घर पहुंचकर उनके कार्यस्थल का निरीक्षण किया और मिट्टी के दीयों व अन्य मृद्भांडों के निर्माण कार्य को करीब से देखा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद कारीगर परिवार सैकड़ों दीये तैयार कर रहा है। धूप में सूखते दीयों की लंबी कतारें और पूरे परिवार की मेहनत व लगन ने टीम को प्रभावित किया। अधिकारियों ने निर्माण की पूरी प्रक्रिया समझी और कारीगरों के पारंपरिक हुनर की सराहना की। इस मौके पर अधिकारियों ने कारीगरों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। कारीगरों ने विपणन के अभाव, कच्चे माल की बढ़ती लागत और आर्थिक तंगी जैसी चुनौतियां सामने रखीं। इस पर कैंट बोर्ड की सीईओ तनु जैन ने आश्वासन दिया कि आगामी हस्तशिल्प प्रदर्शनियों, मेलों और सामुदायिक आयोजनों में स्थानीय कारीगरों को प्राथमिकता दिलाई जाएगी, जिससे उन्हें बड़ा बाजार और बेहतर मंच मिल सके। बोर्ड प्रतिनिधियों ने कहा कि पारंपरिक शिल्पकला का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के साथ-साथ स्थानीय रोजगार को भी मजबूती देता है। 'वोकल फॉर लोकल' की भावना के अनुरूप शुरू की गई यह पहल कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय स्तर पर मिली इस प्रोत्साहन से कुम्हार परिवारों के चेहरे पर उम्मीद की नई रोशनी दिखाई दे रही है।

बिठूर में सजेगी सुरों की महफिल, गंगा किनारे दिखेगा देश की लोक कलाओं का संगम

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'दिव्य और भव्य' उत्तर प्रदेश के विजन को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक नगरी बिठूर एक बार फिर सज-धज कर तैयार है। आगामी 26 से 28 फरवरी तक आयोजित होने वाला 'बिठूर महोत्सव' इस बार न केवल कला और संस्कृति का केंद्र बनेगा, बल्कि योगी सरकार के 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प को भी दोहराएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में देश के नामचीन कलाकारों के साथ-साथ लोक संस्कृति की अद्भुत झलक देखने को मिलेगी। एडीएम सिटी राजेश कुमार ने बुधवार को बताया कि बिठूर की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पहचान को वैश्विक मंच पर लाने के लिए इस महोत्सव को बेहद खास बनाया गया है। आयोजन की शुरुआत 26 फरवरी को स्कूली छात्र-छात्राओं की रंगोली, कला और स्लोगन प्रतियोगिताओं से होगी। शाम को मुख्यमंत्री के डिजिटल इंडिया मिशन की झलक के साथ 'बिठूर थीम गीत' का लोकार्पण होगा। इसके बाद भोपाल कत्थक समिति शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति देकर भारतीय परंपरा को जीवंत करेगी। 27 फरवरी की शाम साहित्य और राष्ट्रवाद के नाम रहेगी। देश के 11 प्रतिष्ठित कवि काव्य मंच सजाएंगे। इसी दिन श्री राम कला केंद्र द्वारा 'दानवीर कर्ण' पर आधारित एक भव्य नाट्य प्रस्तुति दी जाएगी, जो हमारी पौराणिक जड़ों से नई पीढ़ी को जोड़ने का काम करेगी। स्थानीय युवाओं के लिए 'कानपुर गॉट टैलेंट' जैसा मंच देकर सरकार उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर भी दे रही है। महोत्सव का समापन 28 फरवरी को होगा, जहां पूरे भारत की लोक संस्कृति एक ही मंच पर नजर आएगी। शाम को गंगा के पावन पत्थर घाट पर भव्य 'गंगा आरती' के साथ आध्यात्मिक शांति का संदेश दिया जाएगा।

शिवधाम ऋषि आश्रम में गूंजा राम वनवास और केवट संवाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद की अजीतमल तहसील क्षेत्र के अंतर्गत जैनपुर नहर की पटरी स्थित शिवधाम ऋषि आश्रम में चल रही श्री रामकथा के पंचम दिवस पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा व्यास पंडित राज नारायण शास्त्री (राजा पंडित रामायनी) के मुखारविंद से भगवान श्रीराम के वनवास प्रसंग तथा केवट संवाद का मार्मिक वर्णन सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। कथा के दौरान व्यास ने बताया कि राम वनवास का प्रसंग त्याग, मर्यादा और आज्ञा पालन की सर्वोच्च मिसाल है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने पिता की आज्ञा और सत्य की रक्षा के लिए राजपाट त्याग कर वनवास स्वीकार किया, जो जीवन में कर्तव्य और धर्म के पालन की प्रेरणा देता है। केवट संवाद का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने उस प्रसंग की सरलता और भक्ति भावना को बड़े ही भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि केवट की निःस्वार्थ भक्ति और समर्पण यह संदेश देता है कि भगवान तक पहुंचने के लिए केवल सच्चे मन और श्रद्धा की आवश्यकता होती है। कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालु इस प्रसंग को सुनकर भावुक हो उठे और ह्लजय श्रीरामङ्क के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। यह धार्मिक आयोजन क्षेत्रवासियों के सहयोग से हो रहा है। कार्यक्रम की देखरेख प्रेम गिरी द्वारा की जा रही है, जिनके निर्देशन में व्यवस्था संचालित हो रही है। कथा स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। शिवधाम ऋषि आश्रम में आयोजित यह श्री रामकथा क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश दे रही है। आगामी दिनों में भी कथा के विभिन्न प्रसंगों का रसपान कराने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह बना हुआ है।

मनरेगा से छेड़छाड़ कर गरीबों की जीवनरेखा खत्म कर रही भाजपा सरकार : पवन गुप्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। मौजूदा सरकार मनरेगा से छेड़छाड़ करके गरीब की जीवनरेखा को खत्म कर रही है। जहां बापू का नाम हटाकर भाजपा अपनी गोडसे वादी सोच को उजागर कर रही है तो वहीं मजदूरों की साल भर की मजदूरी अब तक न देकर अपनी निर्दयता भी उजागर कर रही है। पूंजीपतियों के लिए काम कर रही भाजपा सरकार ने मजदूरों को बर्बाद करने की ठान ली है। यह बातें गुरुवार को कांग्रेस नगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कही।

कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुआई में फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष कांग्रेसियों ने 'सत्याग्रह' किया। मनरेगा से छेड़छाड़ के विरोध में लखनऊ में हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान भाजपा सरकार द्वारा कांग्रेसजनों पर किए गए लाठीचार्ज और बर्बरता के खिलाफ गांधीवादी तरीके से विरोध दर्ज कराया गया। कांग्रेसियों ने मनरेगा से बापू का नाम न हटाने और मजदूरों के अधिकार न छीने जाने की मांग की। सभी कांग्रेसजन काली पट्टी बांधकर रामधुन गाते हुए सत्याग्रह करते रहे। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि 17 फरवरी को लखनऊ में हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठियां बरसाकर सरकार ने अपना वीभत्स चेहरा दिखाया है। गोडसे के पदचिन्हों पर चलने वाली इस तानाशाह सत्ता के खिलाफ हम अहिंसा से लड़ रहे हैं। हम बापू से प्रार्थना कर रहे हैं कि इस दमनकारी सरकार को सद्बुद्धि दे। इस प्रदर्शन में आनंद प्रकाश वर्मा, रामजी दुबे, अमिताभ दत्त मिश्रा, प्रतिभा अटल पाल, मानेश दीक्षित, रितेश यादव, सैमुअल लकी सिंह, हरीश बाजपई,,विनोद अवस्थी, लोकेश श्रीवास्तव, आनंद शुक्ला आदि मौजूद रहें।

राजस्व वसूली में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त, जिम्मेदारों पर कार्रवाई सुनिश्चित : डीएम

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कर-करेत्तर राजस्व संग्रह, नगर विकास वसूली, राजस्व कार्यों तथा मुख्यमंत्री डैशबोर्ड प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक में वसूली को लेकर नाराज जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को वसूली के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अमीनवार वसूली कार्यों की समीक्षा की जाए। वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो अमीन कार्य में शिथिलता बरतेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही वसूली की साप्ताहिक समीक्षा भी अनिवार्य रूप से किए जाने के निर्देश दिए। सूचना विभाग बागपत द्वारा दी गयी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में अवैध कब्जों को चिन्हित कर तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। जो विभाग जनवरी माह की रैंकिंग में सी एवं डी श्रेणी में हैं, वे अपनी कार्यप्रणाली में सुधार कर रैंकिंग बेहतर करने के लिए विशेष प्रयास करें।